रांची, गुरुवार, 2 अप्रैल 2026
संवत 2083, चैत्र शुक्ल 15 संवत मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 197, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 ▸▸ महिला सुरक्षा का सही रास्ता क्या है?
45 की श्वेता का साड़ी लुक वायरल 6

रांची में कुएं में गिरा जंगली हाथी, रेस्क्यू में जुटा वन विभाग

जेसीबी और उपकरणों से सुरक्षित निकालने की तैयारी

मेट्रो रेज

रांची: बुंडू वन प्रक्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू थाना क्षेत्र के सारयाद गांव में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक जंगली हाथी अचानक एक कुएं में गिर गया। घटना की खबर गांव में फैलते ही आसपास के इलाकों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और देखते ही देखते वहां भारी भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम हरकत में आई और घटनास्थल पर पहुंचकर हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने की तैयारी शुरू कर दी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, हाथी फिलहाल सुरक्षित है और उसे बिना किसी नुकसान के बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, हाथी संभवतः जंगल या आसपास के रास्ते से गुजरते हुए अचानक खुले या असुरक्षित कुएं के पास पहुंच गया और संतुलन बिगड़ने से उसमें गिर पड़ा। हाथी के कुएं में गिरने की खबर जैसे ही गांव में फैली, लोगों की भीड़ घटनास्थल की ओर उमड़ पड़ी। घटना के बाद पूरे इलाके में कौतूहल और चिंता का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण हाथी को देखने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, हालांकि प्रशासन और वन विभाग लगातार लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील कर रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही बुंडू वन प्रक्षेत्र के अधिकारी और कर्मी मौके पर पहुंचे। वन विभाग की ओर से बताया गया है कि हाथी को घबराहट या चोट से बचाते हुए बाहर निकालने की रणनीति बनाई जा रही है। रेस्क्यू के लिए जेसीबी मशीन, रस्सी, मिट्टी कटाई और ढलान बनाने जैसे विकल्पों पर काम किया जा रहा है, ताकि हाथी को सीधे खींचने के बजाय प्राकृतिक तरीके से बाहर निकलने का रास्ता दिया जा सके।

वन विभाग का कहना है कि हाथी सुरक्षित है। हमारी पूरी कोशिश है कि उसे बिना किसी नुकसान के जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए। रेस्क्यू कार्य विशेषज्ञों की देखरेख में किया जा रहा है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी वन विभाग के लिए चिंता का विषय बन गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि भीड़ बहुत ज्यादा बढ़ती है, तो हाथी घबरा सकता है, जिससे वह खुद को चोट पहुंचा सकता है या रेस्क्यू कार्य में बाधा आ सकती है। वन विभाग द्वारा अपील की गई है कि हाथी के बहुत नजदीक न जाएं ।

शोर-शराबा न करें बच्चों और बुजुर्गों को घटनास्थल से दूर रखें, रेस्क्यू टीम को पूरा सहयोग दें : अधिकारियों ने यह भी कहा है कि हाथी जैसे वन्यजीव तनाव की स्थिति में आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकते हैं, इसलिए सतर्कता बेहद जरूरी है। सोनाहातू, बुंडू, तमाड़ और आसपास के इलाके लंबे समय से हाथियों की आवाजाही वाले क्षेत्र माने जाते हैं। कई बार भोजन और पानी की तलाश में हाथी गांवों के करीब पहुंच जाते हैं। ऐसे में खुले कुएं, खेतों के किनारे बने गड्ढे और असुरक्षित जलस्त्रोत वन्यजीवों के लिए खतरा बन जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद खुले कुएं और बिना घेराबंदी वाले जल स्त्रोत न सिर्फ इंसानों बल्कि जंगली जानवरों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकते हैं। इस घटना ने एक बार फिर ऐसे स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों में हाथी की हालत को लेकर चिंता देखी जा रही है। कई ग्रामीणों ने कहा कि वे चाहते हैं कि हाथी को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला जाए और किसी प्रकार की अनहोनी न हो। गांव के लोगों का कहना है कि वन विभाग को इलाके में मौजूद खुले कुओं की पहचान कर सुरक्षा घेरा बनाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। फिलहाल पूरा मामला वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगरानी में है। मौके पर मौजूद टीम हाथी की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान हाथी को शांत रखने और उसे कम से कम तनाव देने की कोशिश की जा रही है। वन विभाग का कहना है कि जैसे ही सुरक्षित तकनीकी व्यवस्था पूरी होगी, हाथी को बाहर निकालने का काम तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

चंडीगढ़ में बीजेपी दफ़्तर पर ग्रेनेड हमला, जांच में 'पाकिस्तानी कनेक्शन' और सीसीटीवी फुटेज आया सामने

नई दिल्ली: पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ बुधवार शाम एक जोरदार धमाके से दहल गई। सेक्टर 37 स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश मुख्यालय को निशाना बनाकर एक ग्रेनेड फेंका गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि पार्किंग एरिया में हुए इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस हमले में जीएचडी2पी हैंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया, जिसे मुख्य रूप से पाकिस्तान में बनाया जाता है। इस विस्फोटक को बेहद खतरनाक माना जाता है; इसका असरदार दायरा (किल रेडियश) लगभग 5 से 10 मीटर तक होता है, जबकि इसके टुकड़े 20-25 मीटर तक जा सकते हैं, जिससे आस-पास मौजूद लोगों को गंभीर खतरा हो सकता है। इस बीच, धमाके के सिलसिले में दो नए सीसीटीवी वीडियो सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित वीडियो में एक व्यक्ति को हेलमेट पकड़े हुए और ग्रेनेड जैसी कोई चीज फेंकते हुए देखा जा सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति इस पूरी घटना को रिकॉर्ड कर रहा है। चीज फेंकने के कुछ ही पलों बाद, दोनों व्यक्ति घटनास्थल से भाग निकलते हैं, और उसके तुरंत बाद एक जोरदार धमाका होता है। हालाँकि, अधिकारियों ने अभी तक इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। एक अन्य वीडियो में उन्हीं व्यक्तियों को धमाके के तुरंत बाद भागते हुए और सड़क के दूसरी ओर जाते हुए देखा जा सकता है। अधिकारी अब आरोपियों की पहचान करने के लिए आस-पास के इलाकों से अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। दस सेकंड के इस वीडियो क्लिप में इन व्यक्तियों के चेहरे साफ नजर नहीं आ रहे थे।

नाबालिग युवती ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

- श्मशान घाट पर पुलिस ने रुकवाया दाह संस्कार
- आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था युवक

मेट्रो रेज

पलामू: जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के मुंदरिया गांव में 17 साल की नाबालिग लड़की की आत्महत्या के मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि एक युवक उसे आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था। इसी मानसिक दबाव में आकर उसने फांसी लगा ली।

फोन कॉल के बाद रोती रही लड़कीः परिजनों के मुताबिक, पड़वा थाना क्षेत्र के मानआहर गांव निवासी टुनटुन पासवान लगातार लड़की को फोन कर परेशान कर रहा था। घटना वाले दिन भी उसने फोन कर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। बताया जा रहा है कि फोन पर बात करने के बाद लड़की काफी देर तक रोती रही। उसी के कुछ देर बाद उसने यह कदम उठा लिया।

फुआ के घर आई थी नाबालिगः मृतका कुछ दिन पहले ही अपने फुआ के घर मुंदरिया गांव आई हुई थी। परिवार के लोगों का कहना है कि वहां रहते हुए भी आरोपी उसे लगातार फोन कर परेशान कर रहा था।

श्मशान घाट पर पुलिस ने रुकवाया दाह संस्कारः घटना के बाद परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार करने मानआहर ले जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिल गई। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और श्मशान घाट पर ही दाह संस्कार रुकवा दिया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया।

आरोपी के खिलाफ केस दर्जः मृतका के पिता के बयान के आधार पर लेस्लीगंज थाना में आरोपी टुनटुन पासवान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मोबाइल डेटा खंगाल रही पुलिसः थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि मामला मोबाइल से जुड़ा हुआ है। इसलिए पुलिस सभी संदिग्ध नंबरों का ट्रेस निकाल रही है। कॉल डिटेल और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

विष्णुगढ़ हत्याकांड का खुलासा

अंधविश्वास में दी मासूम की बलि, मां समेत तीन गिरफ्तार

बच्ची को प्रसाद खिला कर जमीन पर सुलाया, सिर पर पत्थर से वार कर निकाला खून, तड़पती रही बेटी पर नहीं पसीजा मां का दिल

हजारीबागः जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां मां ने बीमार बेटे को ठीक करने के लिए बेटी की बलि दे दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मां ने बीमार बेटे को ठीक करने के लिए दी बेटी की बलिः मामला जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कुसुंबा गांव का है। बताया जा रहा है कि 13 साल की बच्ची 24 मार्च की रात को अपनी मां के साथ मंगला जुलूस देखने गई थी, जहां से वह अचानक लापता हो गई। अगले दिन सुबह गांव के स्कूल के पीछे उसका शव बरामद हुआ था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मां ने एक कथित भगताईन और अपने प्रेमी के साथ

मिलकर इस खौफनाक घटना को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी मां पिछले एक वर्ष से अपने बेटे की बीमारी को लेकर भगताइन के संपर्क में थी। भगताइन ने उसे विश्वास दिलाया कि बेटे के ठीक होने के लिए कुंवारी लड़की की बलि देनी होगी। भगताइन ने कहा कि उसकी बेटी पर देवी का साया है, इसलिए उसकी बलि सबसे अच्छी होगी। बस फिर क्या था मां ने अपनी ही बेटी की हत्या की साजिश रची और रामनवमी के दिन अपनी बेटी की बलि दे दी।

तीनों आरोपी गिरफ्तारः मां अपनी बेटी को लेकर भगताइन के घर पहुंची, जहां पहले तंत्र-मंत्र और पूजा का आयोजन किया गया। बच्ची को प्रसाद खिलाने के बाद उसे जमीन पर सुला दिया गया। तांत्रिक के इशारे पर आरोपी पुरुष ने बच्ची का गला घोंट दिया, जबकि उसकी मां ने उसके पैर पकड़कर उसे तड़पने से रोका। मौत के बाद उसके सिर पर पत्थर से वार कर खून निकाला गया और उसे कथित पूजा में चढ़ाया गया। वहीं, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

भूकंप के झटकों से दहला इंडोनेशिया, 7.4 रही तीव्रता,एक की मौत, सुनामी की चेतावनी जारी

जकार्ता : इंडोनेशिया के उत्तरी मोलुक्का सागर में 2 मार्च को तेज भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 7.4 मापी गई। भूकंप के कारण उत्तरी इंडोनेशिया के कुछ क्षेत्रों में छोटी सुनामी लहरें भी उठीं। भूकंप का केंद्र पूर्वी इंडोनेशिया के टेरनाटे शहर के तट से दूर, लगभग 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई में स्थित था। यह केंद्र उत्तरी मलुकु प्रांत में टेरनाटे से करीब 120 किलोमीटर (75 मील) दूर बताया गया है।

संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, शुरूआत में भूकंप की तीव्रता 7.8 आंकी गई थी, जिसे बाद में संशोधित किया गया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने आशंका जताई है कि इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के तटों पर भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं।

होनोलुलु स्थित पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार, मलेशिया, फिलीपींस, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी में हल्की लहरें उठने की संभावना है। हालांकि, हवाई, गुआम और अन्य दूरस्थ द्वीपों के लिए कोई खतरा नहीं बताया गया है। फिलहाल, इंडोनेशिया में किसी भी प्रकार के नुकसान, चोट या मौत की तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसियों और खोज एवं बचाव दल द्वारा अभी आधिकारिक आकलन जारी नहीं किया गया है।उत्तरी सुलावेसी प्रांत के तटीय शहर बिटुंग में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

बंगाल मामले पर सीजेआई सख्त, पूछा-

मालदा के डीएम-एसपी क्यों नहीं गए, यह अदालत को चुनौती जैसा

सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया था

संवाददाता

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं पर गंभीर रुख अपनाया है। इस मामले पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त टिप्पणी की है।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के डीएम और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रवैये पर भी सख्त टिप्पणी की। सीजेआई सूर्यकांत ने पूछा कि दोनों अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखे जाने का ये मामला बेहद गंभीर है।

बंगाल सरकार को भी लगाई फटकारः उन्होंने कहा कि ये मामला अदालत को चुनौती देने जैसा है। कोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को भी फटकार लगाई। सीजेआई ने कहा कि मालदा में हुई हिंसा की घटना न्यायपालिका पर दबाव बनाने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था को भी चुनौती देने की तरह है। कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने के मामले में सरकार के रवैये को लचर बताया और कहा कि इस मामले में तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस घटना को न्याय प्रशासन में बाधा डालने की सुनियोजित और दुस्साहसी कोशिश करार दिया। कोर्ट ने कहा कि सात न्यायिक अधिकारियों, जिनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल हैं, को घंटों तक बिना सुरक्षा, भोजन और पानी के छोड़ दिया गया, जबकि राज्य प्रशासन को पहले से सूचना दी गई थी।

बंगाल के वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारीः अदालत ने इस मामले में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों- मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनके रवैये को बेहद निंदनीय बताते हुए पूछा है कि समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। मामले की अगली सुनवाई में संबंधित अधिकारियों की वर्चुअल उपस्थिति अनिवार्य की गई है और उनसे अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई है।

विधवा महिला ससुर से गुजारा भत्ता पाने की हकदारः इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराजः इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि कोई महिला अपने पति की मृत्यु के बाद ससुर से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की पीठ ने हाल ही में दिए गए निर्णय में कहा, ״यह सुस्थापित नियम है कि पति पर पत्नी के भरण पोषण का दायित्व होता है। अदालत ने कहा, यह स्थिति उन परिस्थितियों से उपजी है जहां पति-पत्नी अलग हो गए हों और पत्नी ने गुजारा भत्ता की मांग की हो। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि कोई महिला अपने पति की मृत्यु के बाद ससुर से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह मृत्यु के बाद भी लागू रहता है और कानून विधवा को अपने ससुर से भरण पोषण करने का दावा करने की अनुमति देता है। अदालत ने अकुल रस्तोगी नाम के व्यक्ति की प्रथम अपील खारिज करते हुए उक्त टिप्पणी की। हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के मुताबिक, एक विधवा बहू अपने ससुर से गुजारा भत्ता की मांग कर सकती है, बशर्ते वह अपनी कमाई से या अपनी स्वयं की संपत्ति से खुद का भरण पोषण करने मे असमर्थ हो। कानून के अनुसार, विधवा बहू अपने ससुर से तभी यह मांग कर सकती है जब वह अपने मृतक पति की जायदाद, अपने स्वयं के माता पिता की जायदाद या अपने बच्चों और उनकी जायदाद से भरण पोषण करने में पूरी तरह असमर्थ हो। यदि ससुर के पास अपने कब्जे में मौजूद सहदायिक या पैतृक संपत्ति से भरण पोषण का भुगतान करने के साधन नहीं हैं विशेषकर ऐसी संपत्ति जिसमें बहू को पहले से हिस्सा नहीं मिला है तो भरण पोषण का दायित्व अप्रवर्तनीय हो जाता है। हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम की धारा 21 (8) में व्यवस्था है कि ससुर की मृत्यु से पूर्व या बाद में विधवा हुई महिला, ससुर की जायदाद से भरण पोषण का दावा कर सकती है, बशर्ते उसका पुनर्विवाह ना हुआ हो।

नासा ने रचा इतिहास, आर्टेमिस।। मिशन किया लॉन्च 54 साल बाद फिर चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे इंसान

नई दिल्ली/एजेंसीः आर्टेमिस ।। मिशन के तहत नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की ओर भेजा है। 1972 के अपोलो-17 मिशन के बाद यह पहली बार है जब कोई इंसान चाद पर पहुंचेगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने लंबे अंतराल के बाद मानव मिशन को चंद्रमा की दिशा में भेजकर इतिहास रच दिया है है। यह मिशन 2 अप्रैल को सुबह 4:05 बजे लॉन्च हुआ। इसे भविष्य के चंद्र अभियान और चांद पर मनुष्य के बसने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) ओरियन स्पेसक्राफ्ट में चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हो गया है। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्री फिलहाल पृथ्वी की ऊपरी कक्षा में परीक्षण पूरा कर रहे हैं और अगले चरण में चंद्रमा की ओर बढ़ेंगे। यह मिशन न केवल तकनीकी परीक्षण है बल्कि भविष्य के लूनर लैंडिंग मिशनों की तैयारी भी है। लॉन्चिंग से एक घंटे पहले लॉन्च अबॉर्ट सिस्टम में आई दिक्कतः 54 सालों बाद यह पहली बार है जब इंसान पृथ्वी की निचली कक्षा (लियो) को पार कर चांद के पास पहुंचेगा। इससे पहले 1972 में अपोलो17 मिशन के तहत ऐसा हुआ था। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री गए है जो चांद के चक्कर लगाकर धरती पर वापस आएंगे। इस पूरी प्रक्रिया में 10 दिन का समय लगेगा। बता दें कि लॉन्चिंग से एक घंटे पहले लॉन्च अबॉर्ट सिस्टम (यह इमरजेंसी एग्जिट है जो खराबी आने पर एस्ट्रोनॉट्स वाले हिस्से को अलग कर देता है) में कुछ गड़बड़ी आ गई थी जिसके चलते लॉन्च पर खतरा मंडराने लगा था।

असम चुनावी दंगल: चाय बागानों में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन, मजदूरों के बीच बिताया समय

संवाददाता

रांची : असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने चाय बागानों का दौरा कर चुनावी माहौल को नई दिशा देने की कोशिश की। दोनों नेता चाय बागान पहुंचे, जहां उन्होंने मजदूरों के साथ घुल-मिलकर चाय की पत्तियां तोड़ीं, उनके साथ सेल्फी ली और बातचीत कर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति की जानकारी ली।

मजदूर के घर पहुंचे मुख्यमंत्री सोरेनः विधायक कल्पना सोरेन ने चाय की पत्तियां तोड़ते हुए अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक मजदूर के कच्चे मकान तक पहुंचे। बताया जा रहा है कि घर में अंधेरा था, जहां वे टॉर्च की रोशनी में अंदर गए और वहां की स्थिति देखकर हैरान रह गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में चाय बागान के मजदूरों की हालत बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां गरीबों को पक्के मकान और बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साधा निशानाः उन्होंने झारखंड सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में अबुआ आवास योजना के तहत गरीबों को पक्के मकान दिए जा रहे हैं और कई इलाकों में मुफ्त बिजली की सुविधा भी दी जा रही है। सीएम ने असम की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आदिवासी समाज का केवल वोट के लिए इस्तेमाल किया गया है, जबकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा।

असम में सरकार बनाने का दावाः उन्होंने दावा किया कि यदि यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनती है, तो झारखंड की तरह ही जनकल्याणकारी योजनाएं असम में भी लागू की जाएंगी। इस दौरान नेताओं के इस दौरे को चुनावी रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है, जहां जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने की कोशिश की जा रही है।

करोड़ों की लागत से बना झामुमो का हाईटेक प्रदेश कार्यालय तैयार, जल्द होगा शुभारंभ

संवाददाता

रांचीः झारखंड की प्रमुख राजनीतिक पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का अत्याधुनिक प्रदेश कार्यालय अब पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। राजधानी रांची के बरियातू स्थित हिलव्यू क्षेत्र में निर्मित यह चार मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है और जल्द ही इसके शुभारंभ की संभावना जताई जा रही है।

हाईटेक बनाया गया है कार्यालयः करोड़ों रुपये की लागत से बने इस नए कार्यालय को बदलते समय और तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाईटेक बनाया गया है। भवन में सुव्यवस्थित कार्यालय कक्ष, आधुनिक सभाकक्ष, प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल और पर्याप्त पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा सभी तल्लों पर उच्च गुणवत्ता के टाइल्स और मार्बल, लिफ्ट, तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित कई आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मजबूत करने में जुटी झामुमो : राजनीतिक जानकारों का मानना है कि झामुमो अब क्षेत्रीय राजनीति से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने पहली बार झारखंड से बाहर असम में अपने दम पर 19 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है।

असम चुनाव के बाद किया जाएगा विधिवत उद्घाटनः पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन खुद चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और विभिन्न सभाओं में भाग ले रहे हैं। वहीं, पार्टी के विधायक और कार्यकर्ता भी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रत्याशियों के समर्थन में जुटे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, असम चुनाव के परिणाम के बाद रांची स्थित इस अत्याधुनिक प्रदेश कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा, जिसे झामुमो के संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

सैकड़ो किसानों ने रामपुर लैंपस के कार्यकारिणी पर लगाए कई गंभीर आरोप, जांच की मांग

सिल्ली : प्रखंड अंतर्गत हाकेदाग पंचायत के 100 से अधिक किसानों ने रामपुर लैंपस के कार्यकारिणी कमिटी पर कई गंभीर आरोप लगाए है। इसे लेकर किसानों ने प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री, स्थानीय विधायक उपयुक्त रांची कृषि मंत्री जिला सहकारिता विभाग एवं डीसीओ रांची के नाम का प्रतिलिपि सौंपा है। किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा निर्धारित नियमों को ताक पर रखकर प्रति क्विंटल सवा किलो धान तक की अवैध कटौती की जा रही है, साथ किसानों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। यह सीधे-सीधे किसानों के हक पर डाका डाला जा रहा है। इस मनमानी से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। बताते चले की लैंपस कर्मियों की मनमानी को लेकर 29 मार्च को पंचायत के मुखिया सोमरा मांझी के उपस्थिति में किसानों नें रामपुर हाट बागान में एक बैठक की थी। इस बैठक में सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव लाया गया था जिसमें कार्यकारिणी कमिटी को अभिलम्ब निरस्त करने, 2018 से 2026 तक के बीच में जो कमिटी का चयन हुआ है उसमें पारदर्शिता लाने, धान की खरीद के लिए बने किसान आईडी उजागर करने, धान खरीद के लिए लगे सीसीटीवी को मिलान करने तथा कमिटी में सरकारी पद धारियों को अबिलम्ब हटाने की मांग शामिल है। लिखित शिकायत करने वालों में पिस्का पंचायत मुखिया - सोमरा मांझी, पंसस सदस्य हाकेदाग पंचायत मुखिया- हरिपद मांझी , देबराज महतो, पंचानन साहू, सुरेश मांझी, संदीप मांझी, गुहीराम मांझी ,शिवा बेदिया, बहादुर मांझी ,बासु देव ,लालदेव ,अजय फागु मांझी ,भरत महतो ,अंगद महतो ,धीरेन्द्र बेदिया समेत सैकड़ो किसान शामिल थे।

सरहुल पर तोरपा में निकली भव्य शोभायात्रा मांदर की थाप पर झूमे प्रकृति पूजक

संवाददाता

खूंटी/तोरपाः जनजातीय समाज के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण पर्व सरहुल के अवसर पर मंगलवार को तोरपा में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव और उमंग का माहौल देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे महिला-पुरुष, युवा और बच्चे ढोल, नगाड़ा और मांदर की थाप पर झूमते-नाचते नजर आए तथा प्रकृति के इस पावन पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। शोभायात्रा प्रखंड मैदान से शुरू होकर मेन रोड, खसुआ टोली होते हुए पेट्रोल पंप तक पहुंची। वहां से पुनः मेन रोड के रास्ते हिल चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल तक गई। यात्रा के दौरान विभिन्न मार्गों पर लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। पूरे जुलूस में पारंपरिक गीत-संगीत और आदिवासी संस्कृति की मनमोहक झलक देखने को मिली। मांदर की थाप पर थिरकते

श्रद्धालुओं ने सरहुल पर्व की गरिमा को और भी आकर्षक बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोचे मुंडा ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की गहरी आस्था, श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति संरक्षण, सामूहिकता और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीडीओ नवीन चन्द्र झा, जिला परिषद सदस्य सुशांति कोनगाड़ी, उप प्रमुख संतोष कर, थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव, विधायक सुदीप गुड़िया की धर्मपत्नी अनीता कोनगाड़ी, प्रिया मुंडा, विजय मुंडा, दुर्गावती ओड़िया, विनोद भगत, दीपक तिग्गा सहित बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग शामिल हुए। भाजपा युवा मोर्चा तोरपा प्रखंड कमेटी की ओर से शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने मेन रोड तोरपा में पुष्प वर्षा, आतिशबाजी तथा पानी, चना और गुड़ का वितरण कर सरहुल शोभायात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर नीरज पाढ़ी, अजीत रॉय, नीरज जायसवाल, दीपक तिग्गा, सुबोध जायसवाल, निशांत जायसवाल, केशव कुमार, आशुतोष सिंह, रौनक षाडंगी, कुलदीप मिश्रा, पवन गुप्ता समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं, फ्रेंड्स क्लब तोरपा की ओर से भी शोभायात्रा में शामिल लोगों के बीच शरबत, चना और पानी का वितरण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान अभिषेक राय, सावन महतो, विशाल कुमार, विक्की गुप्ता, कन्हैया कुमार, अमन कुमार, चंदन सिंह, पवन सिंह, आकाश महतो, राहुल कुमार सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

सरहुल शोभायात्रा के दौरान तोरपा में आदिवासी परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, परंपरा और समुदाय के बीच गहरे संबंध का जीवंत उत्सव है।

इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक कार्यशाला का हुआ समापन

चतराः जिला मुख्यालय के दीभा मोहल्ला स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में बुधवार को भैया-बहनों के विकास के लिए आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक कार्यशाला का विधिवत समापन हो गया।यह कार्यशाला तीन दिनों तक पाँच सत्रों में चली, जिसमें सत्र 2026झ27 की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को विद्यालय की गतिविधियों में लागू करने पर भी विचार किया गया।समापन समारोह में विद्यालय के प्रभारी अयोध्या प्रसाद सिंह और प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रभारी अयोध्या प्रसाद सिंह ने विद्यालय के विकास को लेकर अपने विचार रखे और सभी आचार्यों को प्रेरित किया।

प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य भैया-बहनों के बेहतर भविष्य के लिए योजना बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यशाला में सीखी गई बातें विद्यार्थियों के विकास में काम आएंगी।साथ ही तीनों खंड के प्रभारी द्वारा नए सत्र की तैयारी के लिए विद्यालय की दिनचर्या,कालांश व्यवस्था,दिवसाचार्य, कक्षाचार्य निर्धारण और विभिन्न विभागों का बंटवारा भी किया गया।अंत में शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया।

छापेमारी में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद

मुरी : पुलिस द्वारा बीती रात रामपुर स्थित प्रकाश साहू नामक अवैध अंग्रेजी शराब बेचने वाले के दुकान पर छापेमारी करने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में शराब और बीयर बरामद किया है।ब ाताया यह भी जाता है कि रामपुर गांव में रात को मेला था । मेला को देखते हुए दुकानदार ने बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब मंगवाया था।

युवक ने की आत्महत्या, पेड़ से लटका मिला शव

चतराः जिले के इटखोरी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ नशे की लत को लेकर परिजनों द्वारा लगाई गई डांट से आहत होकर 20 वर्षीय युवक ने मौत को गले लगा लिया। मामला इटखोरी के प्रखंड कॉलोनी मध्य विद्यालय का है। बुधवार सुबह जब बच्चे स्कूल पहुंचे, तो झाड़ियों से आ रही दुर्गंध ने उन्हें चौंका दिया। बच्चों ने पास जाकर देखा तो बेर के पेड़ से एक युवक का शव झूल रहा था। मृतक की पहचान धनखेरी निवासी आदिल खलीफा के रूप में हुई है, जो पिछले तीन दिनों से लापता था। थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि आदिल नशे का आदी हो चुका था, जिसे लेकर परिजनों ने उसे काफी डांटा था। इसी तनाव में आकर उसने घर से महज 100 मीटर दूर आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

हयात ने की भारत व दक्षिण-पश्चिम एशिया के लिए नए प्रेसिडेंट की नियुक्ति, विस्तार को मिलेगी गति

रांचीः हयात ने भारत में अपने विस्तार को गति देने के लिए विकास चावला को प्रेसिडेंट भारत और दक्षिण-पश्चिम एशिया नियुक्त किया है। कंपनी के अनुसार यह नई सीनियर लीडरशिप भूमिका तेजी से बढ़ते बाजारों में उपस्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। विकास चावला क्षेत्र में रणनीति, विकास और संचालन का नेतृत्व करेंगे। हयात ने बताया कि भारत उसके लिए तेजी से उभरते बाजारों में शामिल है और वर्ष 2025 में भारत व दक्षिण-पश्चिम एशिया की पाइपलाइन में करीब 5,000 नए कमरे जोड़े गए हैं। कंपनी फिलहाल इस क्षेत्र में 55 होटलों के साथ मौजूद है और आने वाले समय में प्रमुख शहरों के साथ-साथ झारखंड जैसे उभरते राज्यों और टियर-2 व टियर-3 शहरों में भी विस्तार की संभावनाओं पर नजर रखे हुए है।

हजारीबाग या चतरा में खुले सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिष्ट स्टडीज : संजय मेहता

◂ संस्कृति मंत्रालय को लिखा खत ◂ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के पास भेजा गया प्रस्ताव

संवाददाता

चतराः हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं आजसू के महासचिव संजय मेहता ने केंद्र सरकार से एक महत्वूर्ण माँग की है। झारखंड के हजारीबाग एवं चतरा जिले के इटखोरी या मयूरहंड में बौद्ध विरासत के संरक्षण एवं विकास हेतु उन्होंने सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिष्ट स्टडीज की स्थापना का प्रस्ताव केंद्र सरकार को दिया है।संजय मेहता ने अपने पत्र में कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) द्वारा हजारीबाग जिले में किए गए उत्खनन में 900 वर्ष पुराने बौद्ध मठ के अवशेष सामने आए हैं। हजारीबाग सदर प्रखंड के जुलजुल पहाड़ के समीप बहोरनपुर गांव में भगवान बुद्ध एवं देवी तारा की 10 प्राचीन मूर्तियां मिली हैं। दिसंबर 2020 में भी यहां तीन कमरों वाला बौद्ध मंदिर प्राप्त हुआ था।इन खोजों से स्पष्ट होता है कि 9वीं से 12वीं शताब्दी के बीच हजारीबाग क्षेत्र बौद्ध धर्म का एक प्रमुख केंद्र रहा है। स्थानीय बौद्ध भिक्षु भंते तिसावरो ने भी पहले ही सुझाव दिया था कि पाटलिपुत्र को हजारीबाग बौद्ध सर्किट से जोड़ा जा सकता है, किंतु इस दिशा में अभी तक कोई ठोस पहल नहीं हो पाई है।श्री मेहता ने आगे बताया कि हजारीबाग के सेखा, गुरहेत, अमनारी, दैहर, मानगढ़

आदि गांवों में बौद्ध स्तूप, मूर्तियां, शिलालेख, दरवाजे एवं अन्य अवशेष प्राप्त हुए हैं। पड़ोसी जिले चतरा के इटखोरी भद्रकाली मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में भी पाल वंश काल (9वीं शताब्दी) के भव्य बौद्ध अवशेष मिले हैं, जिनमें 1008 छोटी एवं 4 बड़ी बुद्ध प्रतिमाएं, ध्यान मुद्रा में बुद्ध की मूर्तियां, वोटिव स्तूप तथा 417 से अधिक बौद्ध मूर्तियां शामिल हैं। ब्राह्मी लिपि के शिलालेख भी प्राप्त हुए हैं।

पुरातत्वविदों के अनुसार यह क्षेत्र प्राचीन काल से बौद्ध तपोभूमि रहा है। यहां तक कि भगवान बुद्ध ने स्वयं इस क्षेत्र में कुछ समय ध्यान साधना की थी। चतरा जिले की आकाश लोचन (कोलहुआ पहाड़ी) को भी बौद्ध परंपरा में विशेष महत्व प्राप्त है।

सांस्कृतिक एवं भौगोलिक महत्व : हजारीबाग बोधगया से मात्र 124 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि इटखोरी हजारीबाग से केवल 60-65 किलोमीटर दूर है। क्षेत्र में रांची एयरपोर्ट (100 किमी), हजारीबाग रेलवे स्टेशन एवं कोडरमा जंक्शन (58 किमी) की अच्छी कनेक्टिविटी उपलब्ध है। यह क्षेत्र प्राचीन व्यापार मार्गों पर भी स्थित था, जिससे बौद्ध विचारों का प्रसार हुआ। यह क्षेत्र इस संस्थान की अहर्ता को पूर्ण करता है।

क्या कहते हैं संजय मेहताः संजय मेहता ने लिखा है की वर्तमान में सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिष्ट स्टडीज केवल लेह (लद्दाख) में संचालित हो रहा है, जो मुख्य रूप से हिमालयी बौद्ध परंपरा पर केंद्रित है। पूर्वी भारत, विशेषकर झारखंड-बिहार क्षेत्र में बौद्ध विरासत के संरक्षण, अध्ययन, शोध एवं प्रचार-प्रसार के लिए कोई समर्पित उच्च शिक्षा संस्थान नहीं है।

उन्होंने अपने पत्र में जोर देकर कहा कि हजारीबाग या चतरा जिले के इटखोरी-मयूरहंड क्षेत्र में उक्झर की स्थापना करने से कई लाभ होंगे। उन्होंने इसके कई कारण गिनाएँ हैं।उन्होंने तर्क दिया है की संस्थान की स्थापना से प्राचीन बौद्ध अवशेषों का वैज्ञानिक संरक्षण, उत्खनन एवं अध्ययन। स्थानीय युवाओं को बौद्ध दर्शन, इतिहास, पाली एवं संस्कृत भाषा, तंत्र विद्या आदि में उच्च शिक्षा उपलब्ध होना। बौद्ध सर्किट का विकास एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा। पूर्वी भारत में बौद्ध अध्ययन का नया केंद्र स्थापित होना। क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इस क्षेत्र का प्राकृतिक वातावरण (पठार, पहाड़ियां एवं नदियां) बौद्ध अध्ययन के लिए शांत एवं आदर्श बताया है।संजय मेहता ने माननीय मंत्री से विनम्र अनुरोध किया है कि संस्कृति मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

के साथ समन्वय बनाकर इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाए।

एक विशेषज्ञ समिति गठित कर हजारीबाग या चतरा जिले में सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिष्ट स्टडीज की स्थापना की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से न केवल प्राचीन बौद्ध विरासत का संरक्षण होगा, बल्कि झारखंड को सांस्कृतिक पर्यटन और शैक्षिक विकास को नई दिशा भी मिलेगी।

बीएलओ का एक दिवसीय एसआईआर प्रशिक्षण संपन्न,9

चतराः एसआईआर पर बीएलओ एवं सुपरवाइजर के लिए हंटरगंज प्रखंड सह अंचल कार्यकाल सभागार में बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन की गयी। इस दौरान सभी बीएलओ और सुपरवाइजर को आवश्यक कई दिशा-निर्देश दिये गये। प्रशिक्षण की अध्यक्षता कर रहे प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कमान कच्छप ने प्रशिक्षण में बीएलओ को मतदाताओं के घरों पर नोशनल मकान संख्या अंकित करते हुए मकान के दरवाजे पर चिपकाने आदि से संबंधित जानकारी दी। बीडीओ ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश के आलोक में दो दिनों के भीतर इस कार्य को पूरा करना है। बीपीआरओ योगेश शर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को सुव्यवस्थित व नंबरिंग सिस्टम को दुरुस्त करने के उद्देश्य से प्रत्येक मतदाता परिवार का एक काल्पनिक नंबर अंकित करते हुए मतदाताओं को सुव्यवस्थित मतदाता सूची में किया जाएगा।इसके लिए सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में घर-घर जाकर नंबरिंग करते हुए मकानों पर स्टिकर चिपकाने का कार्य करेंगे। इसके अलावा जिन-जिन बीएलओ द्वारा अब भी कुछ मतदाता की मैपिंग सुनिश्चित नहीं की गयी, उन सभी को मैपिंग में अंकित किए जाने का कार्य करेंगे।उन्होंने आगे बताया कि मतदाताओं की मैपिंग समय रहते पूर्ण करने का सभी बीएलओ को निर्देश दिया गया। बीएलओ को निर्देश दिया गया कि वैसे मतदाता जो अनुपस्थित हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, इसके अलावा स्थानांतरित व जिनका मतदाता सूची में दो बार नाम दर्ज है, वैसे मतदाताओं को चिह्नित करते हुए सूची बनाकर नाम हटाने के लिए प्रपत्र 7 भरना सुनिश्चित करें। मौके पर सैकड़ों बीएलओ उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को झटका सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका किया खारिज

मेट्रो रेज

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम और उनके निजी सचिव संजीव लाल को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने उनकी याचिकाओं को स्वीकार न करते हुए, मामले की सुनवाई में तेजी लाने और चार सप्ताह के भीतर प्रमुख गवाहों के बयान दर्ज करने का कड़ा निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति एम।एम। सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन। कोटेश्वर सिंह की बेंच ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई की तिथि गवाहों की जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही तय की जाएगी।

उम्र और जेल की दलीलें नहीं आईं काम: सुनवाई के दौरान आलमगीर आलम के वकील ने दलील दी कि उनकी उम्र 76 वर्ष है और वे मई 2024 से ही न्यायिक हिरासत में हैं। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि ईडी द्वारा बार-बार पूरक आरोप पत्र दाखिल किए जाने से मुकदमे की प्रगति धीमी हो गई है और अब तक अभियोजन स्वीकृति भी नहीं मिली है। हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को पर्याप्त नहीं माना और जमानत देने के बजाय ट्रायल की गति बढ़ाने पर जोर दिया। इसी प्रकार, संजीव लाल की ओर से भी समान राहत की मांग की गई थी, जिसे कोर्ट ने फिलहाल नामंजूर कर दिया है।

32 करोड़ का पहाड़ और कमीशन की डायरी: गौरतलब है कि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 6 मई 2024 को संजीव लाल और उनके करीबी जहांगीर आलम के ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें 32.20 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए थे। जांच के दौरान संजीव लाल के पास से 10.05 लाख रुपये और एक ऐसी डायरी मिली थी, जिसमें कथित तौर पर टेंडर कमीशन से जुड़े लेनदेन का पूरा ब्योरा दर्ज था। इसी आधार पर ईडी ने दो दिनों की पूछताछ के बाद, 15 मई 2024 को आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा रुख के बाद इस हाई-प्रोफाइल मनी लॉन्ड्रिंग केस में गवाहों की गवाही और कानूनी शिकंजा और कसने की उम्मीद है।

आदिवासी मलिा को कालिख पोतने वाले आरोपी के घर पहुंचे सैकड़ो लोग, कोकर में हंगामा

मेट्रो रेज

रांची: कोकर स्थित भाभा नगर में एक आदिवासी महिला के साथ कथित रूप से कालिख पोतने की घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। गुरुवार को इस घटना के विरोध में बड़ी संख्या में आदिवासी मूलवासी समाज के लोग पीड़िता के घर पहुंचे और उसका हालचाल जाना। साथ ही उन्होंने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद से स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। समाज के लोगों ने कहा कि इस तरह की घटना न केवल अमानवीय है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करती है। पीड़िता और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाज के लोग एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं।

इधर, आक्रोशित लोगों की भीड़ आरोपियों के घर की ओर भी बढ़ती देखी गई, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने की अपील की गई है। वहीं, पीड़िता के समर्थन में विभिन्न सामाजिक संगठनों के भी आगे आने की संभावना जताई जा रही है।

रांची विवि के नागपुरी विभाग में पीएचडी कोर्स वर्क का शुभारंभ

गुणवत्तापूर्ण शोध से ही समाज और ज्ञान की नई दिशा संभव : डॉ सुदेश

मेट्रो रेज

रांची : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय, रांची विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग, रांची में पीएचडी कोर्स वर्क का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहु तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संकायाध्यक्ष डॉ अर्चना कुमारी दुबे, विश्वविद्यालय के एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ किशोर सुरिन, खोरठा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ कुमारी शशि, प्राध्यापक डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो, डॉ रीझु नायक तथा कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ मनोज कच्छप उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ सुदेश कुमार साहु ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय के शोधार्थियों का शोध कार्य अपनी गुणवत्ता और गंभीरता के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक अर्थों में शोध वही है जो अब तक अज्ञात तथ्यों की खोज कर ज्ञान की नई संभावनाओं को सामने लाए। शोध केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान के विकास का सशक्त साधन है। उन्होंने शोधार्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने विषय के प्रति जिज्ञ-ासा, अनुशासन और मौलिक दृष्टि के साथ अध्ययन करें, तभी उनका शोध समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

विशिष्ट अतिथि एवं संकायाध्यक्ष डॉ अर्चना कुमारी दुबे ने कहा कि शोध कार्य को ईमानदारी, प्रतिबद्धता और बौद्धिक निष्ठा के साथ पूरा करना चाहिए। ऐसा शोध ही सार्थक माना जाता है जो समाज और राष्ट्र के समक्ष नई सोच और नई दिशा प्रस्तुत कर सके। एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ किशोर सुरिन ने कहा कि नागपुरी भाषा और साहित्य के विकास की दिशा में यह पीएचडी कोर्स वर्क एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ाव है। इसके माध्यम से शोधार्थियों को शोध की पद्धति, दृष्टिकोण तथा नई संभावनाओं को समझने का अवसर मिलेगा।

नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नन्द तिवारी ने कहा कि शोधार्थियों को अपने शोध कार्य की गुणवत्ता और मानकों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि गुणवत्तापूर्ण शोध ही अकादमिक जगत में स्थायी पहचान बनाता है।खोरठा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ कुमारी शशि ने शोध के विभिन्न आयामों और पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्राध्यापक डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शोध प्रारंभ करने से पहले यह समझना आवश्यक है कि पीएचडी कोर्स वर्क का उद्देश्य क्या है। जब शोधार्थी शोध की मूल भावना और पद्धति को समझ लेते हैं, तभी वे एक सार्थक और प्रभावशाली शोध कार्य कर पाते हैं।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ मनोज कच्छप ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ रीझु नायक ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पीएचडी कोर्स वर्क में पंजीकृत सभी शोधार्थी उपस्थित थे।

धूमधाम से बना जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विकास मंच का स्थापना दिवस समारोह , नई कमेटी का गठन

डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो, अध्यक्ष व डॉ. संजय तिर्की उपाध्यक्ष निर्वाचित

मेट्रो रेज

रांची: रांची स्थित सत्यभारती सभागार में आज जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विकास मंच का स्थापना दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंच की नई कार्यकारिणी के गठन के तहत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो को मंच का अध्यक्ष तथा स्कूल ऑफ आर्कियोलॉजी एवं म्यूज़ियोलॉजी के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय तिर्की को उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया।

समारोह में मंच की परामर्शदात्री समिति के सदस्य डॉ. एच. एन. सिंह, डॉ. करमचंद्र अहीर एवं डॉ. के. सी. टुडू भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विकास मौर्य ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्थापना दिवस के अवसर पर सभी सदस्यों ने केक काटकर हर्ष एवं उल्लास के साथ इस महत्वपूर्ण दिन को मनाया और मंच के माध्यम से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम के अंत में ललिता देवगम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मंच के सचिव सुकेशी कर्मकार एवं विक्की मिंज सहित सत्यनारायण मुंडा, रोहित केरकेट्टा, शिवशंकर उरांव, लेबियान मुंडू, रीता सोरेंग, जगतपाल महतो, मनीषा बोदरा, नीलोफर मिंज, नारायण मरांडी, रवि कुमार तथा अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।विष्णुगढ़ कांड का खुलासा होते ही भाजपा बेनकाब, अब माफी मांगे वरना सड़कों पर उतरेगी कांग्रेसः आलोक कुमार दूबे; महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमिटी

अंजुमन इस्लामिया चुनाव पर सस्पेंस, संयोजक के इस्तीफे के बाद आपात बैठक जल्दः मोख्तार

रांची : संवाददाताः अंजुमन इस्लामिया, रांची के अध्यक्ष ने एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया सहित विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 30 अप्रैल को राइन स्कूल, लेक रोड, रांची में आयोजित एक बैठक के दौरान चुनाव संयोजक मौलाना मुफ्ती अनवर कासमी ने अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है। अध्यक्ष ने कहा कि इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद उत्पन्न स्थिति पर संगठन के बायलॉज (नियमावली) के दायरे में गंभीर विचार-विमर्श करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों से चुनावी प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है, जिससे मतदाताओं और प्रत्याशियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अंजुमन इस्लामिया, रांची के सभी ओहदेदारों और कार्यकारिणी सदस्यों की एक आपात बैठक शीघ्र ही बुलाई जाएगी।

दो दिवसीय राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का समापन

यूथ पुरुष मेंआदित्य सिंह व महिला में जेसिका खेस चैंपियन

रांची : दो दिवसीय 18वें राज्यस्तरीय बॉक्सिंग जूनियर बालक, बालिका एवं यूथ पुरुष, महिला बॉक्सिंग का समापन रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय गुरुनानक स्कूल पीपी कंपाउंड रांची में हुआ । जिसमें समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बलजीत सिंह बेदी, वरीय उपाध्यक्ष झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन एवं विशिष्ट अतिथि विनय सिन्हा दीपू अध्यक्ष रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन, एवं परमजीत सिंह कार्यकारी अध्यक्ष रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन उपस्थित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बलजीत बेदी ने कहा अच्छा प्रदर्शन खिलाड़ियों ने दिया है और उम्मीद है कि बच्चे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर झारखंड का मान बढ़ाने का कार्य करेंगे। विशिष्ट अतिथि विनय सिन्हा ने कहा हमारा प्रयास है बच्चों को अच्छा प्लेटफार्म मिले जिससे इनका भविष्य खेल के माध्यम से आगे बढ़ना आसान हो। वहीं आयोजनकर्ता परमजीत सिंह ने कहा हम गुरुनानक स्कूल प्रबंधन को धन्यवाद देते है। जिनके सहयोग से हमसब लोगों ने इस तरह के राज्यस्तरीय बड़ा बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन कर पाए।

अंजुमन इस्लामिया रांची के चुनाव पर उठे सवाल, वक्फ बोर्ड ने मांगी जांच रिपोर्ट

फर्जी मतदाता सूची और नियमों की अनदेखी का आरोप

रांचीःअंजुमन इस्लामिया रांची (वक्फ संख्या 1701) के प्रस्तावित चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखण्ड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड ने चुनाव संयोजक को पत्र लिखकर चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। जारी पत्र में मो० इम्तियाज आलम (मिस्त्री मुहल्ला, डोरंडा) एवं मोजाहीद द्वारा प्राप्त शिकायत पत्र की छायाप्रति संलग्न करते हुए निर्देश दिया गया है कि बायलॉज के अनुरूप नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा की गई कार्रवाई से बोर्ड को अवगत कराया जाए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि फाइनल मतदाता सूची तैयार करते समय अंजुमन के दस्तूर (नियमावली) की अवहेलना करते हुए बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं को शामिल किया गया है। साथ ही, नियमों को ताक पर रखकर जल्दबाजी में चुनाव तिथि घोषित कर विशेष लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। मामले में यह भी कहा गया है कि झारखंड उच्च न्यायालय के हढउ ठङ्ग-35/17 में दिए गए निर्देशों के अनुसार, मतदाता सूची में गड़बड़ी की स्थिति में 5 सदस्यीय आपत्ति समिति का गठन कर जांच और सुधार किया जाना आवश्यक है। हालांकि, आरोप है कि चुनाव संयोजक ने इन निर्देशों की अनदेखी करते हुए 12 सदस्यीय समिति का गठन कर दिया और शिकायतों की समुचित जांच किए बिना ही अंतिम मतदाता सूची जारी कर चुनाव तिथि घोषित कर दी।

धरम दयाल इंटर कॉलेज में धूमधाम से मना तीसरा वार्षिकोत्सव

मेट्रो रेज

रांचीः धर्म दयाल इंटर कॉलेज में कॉलेज का वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ बनाया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि शीतल ओहदार और कॉलेज के डायरेक्टर एवं अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । समारोह की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। समारोह के दौरान छात्रों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। कॉलेज के डायरेक्टर ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और सभी शिक्षक और छात्रों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विष्णुगढ़ में हुई घटना के उद्भेदन के बाद आलोक दूबे ने भाजपा पर बोला हमला

पांच दिन तक आतंक मचाती व गुमराह करती रही भाजपाः आलोक दुबे

मेट्रो रेज

रांचीः हजारीबाग के विष्णुगढ़ में हुई घटना के उद्भेदन के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने तीखे तेवर अपनाते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक, हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक एवं अभियान में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई और सच्चाई सामने लाने के लिए धन्यवाद और शाबाशी दी।

दूबे ने कहा कि पिछले पांच दिनों से भाजपा पूरे राज्य में भ्रम और भय का माहौल बनाकर जनता को गुमराह कर रही थी, लेकिन जैसे ही सच्चाई सामने आई, भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता बिना तथ्यों के गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे और मामले को राजनीतिक रंग देकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि घटना के दौरान भाजपा नेताओं में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की होड़ मची हुई थी, लेकिन अब सच्चाई सामने आने के बाद उन्हीं नेताओं को फिर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

आलोक दूबे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस घटना का आरोपी भाजपा से जुड़ा नेता प्रदेश अध्यक्ष के साथ घूम-घूम कर न सिर्फ गिरफ्तारी की मांग कर रहा था, बल्कि पूरे मामले पर भाजपा राजनीति करती नजर आ रही थी। उन्होंने इसे न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण बताया, बल्कि आरोप लगाया कि भाजपा एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत राज्य को बदनाम करने की कोशिश कर रही थी, जिसमें वह एक बार फिर असफल रही।

उन्होंने कहा कि कोयला माफिया, बालू माफिया, खनन माफिया, दुष्कर्मी ,मडर्रर और आपराधिक तत्व को भाजपा का संरक्षण प्राप्त है। दूबे ने सीधे तौर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को कटघरे में खड़ा करते हुए कि उन्हें राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

आलोक दूबे ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर भाजपा ने माफी नहीं मांगी तो कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ सड़कों पर उतरकर जोरदार आंदोलन करेगी।उन्होंने कहा कि किसी भी संवेदनशील मामले में जांच एजेंसियों को समय देना चाहिए लेकिन भाजपा ने शुरू से ही राजनीति कर माहौल बिगड़ने का काम किया है जो निंदनीय है।

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई० टेन्डर रिफरेन्स नम्बर – DOPR/DE/KHUNTI/22/2025-26
2ND CALL

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	कर्रा	खूँटी जिला के कर्रा प्रखण्ड अन्तर्गत बकसपुर में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण कार्य।	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	09 माह

नोट :–
1. वेबसाईट मे निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय:– 04.04.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे।
2. ई–निविदा डालने की अंतिम तिथि:– 11.04.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय–
11.04.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे तक(e-Procurement Portal-jharkhandtenders.gov.in)
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 13.04.2026 अपराह्ण 04:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430752050
7. जिला परिषद, खूँटी /BCD के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा।
8. उपरोक्त निविदा का निष्पादन **Double Bid System** के अनुसार किया जायेगा।
9. खूँटी जिला अन्तर्गत वैसे संवेदक जिनका कार्य Work Program के अनुसार नहीं चल रहा है। वे इस निविदा में भाग लेने हेतु अयोग्य समझें जायेंगे।
10. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड रॉची के संकल्प संख्या 2146 (एस) दिनांक 09.09.2024 में निहित प्रावधान के आलोक में संवेदक द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक दर Quote करने Additional Performance Security की राशि निम्नवत जमा करनी होगी।
(i) 10 से 20 प्रतिशित Below की राशि का 20 प्रतिशत तथा
(ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत की राशि जमा करना होगा।
11. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुरूप ही अग्रधन की राशि (ऑनलाईन) जमा करना होगा एवं इस संबंध में मे कोई दावा मान्य नहीं होगा।
12. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR 376424 District(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वैश्विक भारत : उद्योगों की रफ्तार, अर्थव्यवस्था का विस्तार

भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में ऐसी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसकी गति, स्थिरता और विविधता ये तीनों ही उसे विशेष बनाती हैं। इस संबंध में सामने आए आर्थिक आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विशेष रूप से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में दर्ज प्रगति इस व्यापक आर्थिक मजबूती का स्पष्ट संकेत है।

फरवरी 2026 में भारत की औद्योगिक वृद्धि दर बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी के 4.8 प्रतिशत से अधिक है। कहना होगा कि यह वृद्धि आर्थिक गतिविधियों में निरंतरता और विस्तार का प्रमाण है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का रहा, जिसने छह प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की। चूंकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 75 प्रतिशत है, इसलिए इसका मजबूत प्रदर्शन पूरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था को गति देता है।

वस्तुतः मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की यह प्रगति आज कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह उत्पादन क्षमता में वृद्धि को तो दशार्ती ही है, साथ में रोजगार सृजन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत जैसे युवा देश में, जहां हर वर्ष लाखों छात्र इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर कार्यक्षेत्र में प्रवेश करते हैं, वहां यह क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने का प्रमुख माध्यम बनता जा रहा है। फरवरी 2026 में मैन्युफैक्चरिंग के 23 उद्योग समूहों में से 14 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज होना इस क्षेत्र की व्यापक मजबूती को दशार्ता है।

विशेष रूप से बुनियादी धातु, मोटर वाहन और मशीनरी एवं उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारत का औद्योगिक ढांचा अब अधिक परिपक्व और प्रतिस्पर्धी हो रहा है। बुनियादी धातु क्षेत्र में वृद्धि से निर्माण और अवसंरचना को बल मिलता है, जबकि ऑटोमोबाइल और मशीनरी क्षेत्र कृषि, परिवहन और उद्योगों की उत्पादकता को बढ़ाते हैं। खनन और बिजली क्षेत्र भी इस विकास यात्रा में पीछे नहीं हैं। फरवरी में खनन क्षेत्र में 3.1 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ये दोनों क्षेत्र औद्योगिक गतिविधियों की रीढ़ माने जाते हैं और इनमें वृद्धि का अर्थ है कि उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल और ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

इसके अलावा उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आंकड़े भारत की अर्थव्यवस्था के भीतर हो रहे संरचनात्मक परिवर्तन को उजागर करते हैं। पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि यह दशार्ती है कि उद्योगों में निवेश बढ़ रहा है। मशीनों और उपकरणों का अधिक उत्पादन इस बात का संकेत है कि उद्योग विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे भविष्य में उत्पादन, आय और रोजगार में और वृद्धि होगी।

इसी प्रकार उपभोक्ता वस्तुओं, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, रेफ्रिजरेटर और टीवी के उत्पादन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि यह स्पष्ट करती है कि देश में मांग का स्तर बढ़ रहा है। यह बढ़ती आय, मध्यम वर्ग के विस्तार और उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है। जब उपभोक्ता खर्च बढ़ता है, तब यह पूरे आर्थिक चक्र को गति देता है, उत्पादन बढ़ता है, रोजगार सृजित होते हैं और निवेश को प्रोत्साहन मिलता है।

यहां उल्लेखित है कि भारत की आर्थिक मजबूती का एक अन्य प्रमुख आधार सरकार द्वारा अवसंरचना क्षेत्र में किया जा रहा भारी निवेश है। राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं में लगातार बढ़ते निवेश के कारण अवसंरचना और निर्माण सामग्री क्षेत्र में फरवरी में 11.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। निश्चित ही यह उस दीर्घकालिक दृष्टि का परिणाम है, जिसके तहत सरकार देश को एक मजबूत लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी नेटवर्क प्रदान कर रही है।

इन परियोजनाओं का प्रभाव बहुआयामी है। एक ओर ये बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करती हैं, वहीं दूसरी ओर उद्योगों के लिए लागत कम करती हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाती हैं। बेहतर सड़क और रेल नेटवर्क से माल परिवहन तेज और सस्ता होता है, जिससे निर्यात को भी बढ़ावा मिलता है। यदि व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो भारत की अर्थव्यवस्था कई अन्य सकारात्मक संकेत भी दे रही है। देश की जीडीपी वृद्धि दर विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक भी भारत को आने वाले वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रहे हैं।

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का प्रवाह लगातार बना हुआ है, जो वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दशार्ता है। ह्यमेक इन इंडियाह्ल, ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल और ह्यपीएलआई (उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन)ह्ल जैसी योजनाओं ने मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को नई दिशा दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, रक्षा उत्पादन और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। साथ में देखने में आ रहा है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था भी भारत की ताकत का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसे प्लेटफॉर्म ने लेन-देन को सरल और पारदर्शी बनाया है। इससे न सिर्फ वित्तीय समावेशन बढ़ा है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों को भी नई ऊर्जा मिली है।

महंगाई पर नियंत्रण और वित्तीय अनुशासन भी भारत की आर्थिक स्थिरता को मजबूत बनाते हैं। सरकार द्वारा संतुलित राजकोषीय नीति और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीतियों ने अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां मौजूद हैं, जैसे भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव फिर भी यहां अच्छी बात यह है कि भारत ने अपनी नीतिगत दृढ़ता और आंतरिक मांग के बल पर इनका प्रभाव सीमित रखा है।

अंततः, फरवरी 2026 के भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) आंकड़े सिर्फ एक महीने की उपलब्धि न होकर यह उस निरंतर प्रयास और नीति-निर्माण का परिणाम हैं, जोकि भारत को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। मैन्युफैक्चरिंग की गति, पूंजीगत निवेश में वृद्धि, उपभोक्ता मांग का विस्तार और अवसंरचना पर फोकस, कहना होगा कि ये सभी मिलकर आज एक ऐसे आर्थिक परिदृश्य का निर्माण कर रहे हैं, जोकि आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में स्थापित कर सकता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत वर्तमान में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और उसके विकास की दिशा भी फिलहाल सुदृढ़ और टिकाऊ है।

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व

इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला ह्यमूर्ख दिवसह्ल साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के

योगेश कुमार गोयल

हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक ह्यप्रैंक्सह्ल के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने ह्यस्पेगेटी ट्रीह्ल की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने ह्यलेफ्ट-हैंड व्हॉपरह्ल बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी ह्यअप्रैल फूलह्ल समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को ह्यमूर्ख दिवसह्ल के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई।

भारतीय संस्कृति में भले यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है।

हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महिला सुरक्षा का सही रास्ता क्या है?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि शोषण का मूल कारण क्या है। क्या वास्तव में किसी महिला का पढ़ा-लिखा होना, आत्मनिर्भर होना या स्वतंत्र रूप से जीवन जीना उसके शोषण का कारण बन सकता है? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है- नहीं। शोषण का कारण हमेशा उस व्यक्ति की मानसिकता होती है जो अपराध करता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को लेकर बहस कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या महिलाओं को दी गई आधुनिक स्वतंत्रता वास्तव में उनके लिए लाभकारी है या उन्हें शोषण के अधिक जोखिम में डाल रही है। हाल की घटनाओं और उन पर समाज की प्रतिक्रिया को देखते हुए यह बहस फिर तेज हो गई है। कुछ लोग मानते हैं कि महिलाओं की बढ़ती स्वतंत्रता ही उनके शोषण का कारण बन रही है, जबकि अन्य इसे एक संकीर्ण और गलत दृष्टिकोण मानते हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इस विषय को भावनाओं के बजाय तर्क, तथ्यों और संतुलित दृष्टि से समझा जाए।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि शोषण का मूल कारण क्या है। क्या वास्तव में किसी महिला का पढ़ा-लिखा होना, आत्मनिर्भर होना या स्वतंत्र रूप से जीवन जीना उसके शोषण का कारण बन सकता है? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है- नहीं। शोषण का कारण हमेशा उस व्यक्ति की मानसिकता होती है जो अपराध करता है। जब कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ गलत व्यवहार करता है तो उसकी जिम्मेदारी केवल और केवल उसी व्यक्ति की होती है। इसे महिला स्वतंत्रता या उसके व्यवहार से जोड़ना न केवल गलत है बल्कि यह पीड़िता को ही दोषी ठहराने जैसा है।

समाज में एक धारणा यह भी है कि यदि महिलाएं पिता, भाई या पति की निगरानी में रहें तो वे अधिक सुरक्षित रहती हैं। यह विचार पारंपरिक सोच से उत्पन्न हुआ है, जहां सुरक्षा और नियंत्रण को एक ही माना गया। लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां महिलाओं के साथ शोषण उनके परिचितों या परिवार के भीतर ही हुआ है। इसका अर्थ यह है कि केवल निगरानी या नियंत्रण सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता। सुरक्षा का संबंध व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने से नहीं बल्कि समाज में न्याय, कानून और जागरूकता की मजबूती से है।

यह भी कहा जाता है कि महिलाएं स्वभाव से भावुक होती हैं और इसी कारण वे आसानी से किसी के प्रभाव में आ जाती हैं। हालांकि यह आंशिक रूप से सही हो सकता है कि महिलाएं भावनात्मक रूप से अधिक अभिव्यक्त होती हैं लेकिन इसे उनकी कमजोरी मान लेना बड़ी भूल है। भावनाएं मानव स्वभाव का हिस्सा हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। असल समस्या तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति इन भावनाओं का गलत फायदा उठाता है। इसलिए समाधान यह नहीं है कि महिलाओं की भावनाओं को दबा दिया जाए या उनकी स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए बल्कि यह है कि समाज में ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए जो दूसरों का शोषण करते हैं। आधुनिक समाज में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और अपने निर्णय लेने का अधिकार मिला है। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है, जिसने उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी आई हैं। स्वतंत्रता का सही उपयोग करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यह केवल महिलाओं पर ही नहीं, बल्कि पुरुषों पर भी लागू होता है। यदि कोई व्यक्ति गलत निर्णय लेता है, तो उसका परिणाम उसे भुगतना पड़ सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि स्वतंत्रता ही गलत है। स्वतंत्रता का दुरुपयोग और स्वतंत्रता स्वयं- दोनों में अंतर समझना आवश्यक है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि पहले के समय में महिलाएं अधिक सुरक्षित थीं क्योंकि वे घर की चारदीवारी में रहती थीं। लेकिन यह धारणा भी पूरी तरह सही नहीं है। उस समय भी महिलाओं के साथ अन्याय और शोषण होता था लेकिन वे आवाज नहीं उठा पाती थीं। आज के समय में कम-से-कम महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, अपनी बात कह सकती हैं और न्याय की मांग कर सकती हैं। यह बदलाव समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है। रेप और अन्य अपराधों के बढ़ते आंकड़े निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं। लेकिन इनका कारण महिलाओं की स्वतंत्रता नहीं बल्कि अपराधियों की मानसिकता, कानून का कमजोर क्रियान्वयन और समाज में व्याप्त गलत सोच है।

यदि किसी समस्या का समाधान खोजना है तो उसके वास्तविक कारणों को समझना होगा। महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करना समस्या का समाधान नहीं है बल्कि यह एक तरह से समस्या से भागने जैसा है।

इसके विपरीत, हमें ऐसे समाज की कल्पना करनी चाहिए जहां महिलाएं सुरक्षित भी हों और स्वतंत्र भी। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में लैंगिक समानता और सम्मान के मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाना चाहिए कि हर व्यक्ति का सम्मान करना जरूरी है। दूसरा, कानून व्यवस्था को मजबूत करना होगा ताकि अपराधियों को जल्द और सख्त सजा मिल सके। तीसरा, महिलाओं को आत्मरक्षा और आत्मविश्वास के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि वे किसी भी स्थिति का सामना कर सकें।

इसके अलावा, मीडिया और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। महिलाओं को केवल एक वस्तु के रूप में प्रस्तुत करना या उनके चरित्र पर सवाल उठाना बंद करना होगा। समाज को यह समझना होगा कि महिला की गरिमा उसके कपड़ों, उसके व्यवहार या उसके निर्णयों से नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व से जुड़ी होती है।

अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं की स्वतंत्रता और उनकी सुरक्षा- दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। किसी एक को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना गलत दृष्टिकोण है। हमें ऐसा संतुलन बनाना होगा, जहां महिलाएं अपने अधिकारों का पूरी तरह से उपयोग कर सकें और साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार के शोषण का डर न हो।

समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसमें हर व्यक्ति- चाहे वह पुरुष हो या महिला-सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सके। महिलाओं को ह्यनिगरानीह्ल में रखने के बजाय उन्हें ह्यसशक्तह्ल बनाना ही सही दिशा है। यही एक ऐसा रास्ता है, जो न केवल महिलाओं के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दूर होगी हर समस्या, बस बजरंगबली को चढ़ाएं ये 5 चीजें

अगर साल चैत्र महीने की पूर्णिमा को हनुमान जयंती मनाई जाती है। इस साल पूर्णिमा की तिथि 1 अप्रैल की सुबह 7:06 बजे शुरू होगी और 2 अप्रैल की सुबह 7:41 बजे खत्म होगी। 'उदया तिथि' के नियम के अनुसार, हनुमान जी का जन्मदिन 2 अप्रैल को मनाया जाएगा। माना जाता है कि हनुमान जी की पूजा करने से डर दूर होता है और शक्ति मिलती है।

तरक्की के लिए क्या करें?

अगर आप करियर में कामयाबी चाहते हैं या घर में शांति चाहते हैं, तो हनुमान जयंती पर सुंदरकाण्ड का पाठ करें। कहते हैं कि जहां सुंदरकाण्ड पढ़ा जाता है, वहां से नकारात्मकता दूर हो जाती है और माहौल अच्छा हो जाता है। आप बजरंग बाण का पाठ भी कर सकते हैं।

मुसीबतों से बचने के तरीके

अगर आप दुश्मनों से परेशान हैं या किसी बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं, तो हनुमान जी को लाल रंग का झंडा चढ़ाएं। अगर ऑफिस या काम की जगह पर परेशानी चल रही है और बॉस आपसे खुश नहीं रहते, तो इस दिन हनुमान जी को तिल और गदा चढ़ाना फायदेमंद हो सकता है।

पैसों की तंगी दूर करने के उपाय

अगर घर में कोई बीमार रहता है, तो हनुमान जी को नारियल और पान चढ़ाएं। अगर बहुत मेहनत के बाद भी पैसा नहीं टिक रहा है, तो बजरंगबली को मीठे पान का भोग लगाएं और चमेली के तेल का दीपक जलाएं। साथ ही, राम दरबार के दर्शन करना भी बहुत शुभ होता है।

टिप्स

एंग्जाइटी को कहना है अलविदा, तो डाइट में शामिल करें ये फूड्स

स्ट्रेस और एंग्जाइटी एक ऐसी समस्या है, जिसका सामना आज के समय में अधिकतर लोग कर रहे हैं। पढ़ाई से लेकर काम या फिर निजी जीवन को लेकर अक्सर लोगों को एंग्जाइटी होती है। ऐसे में अधिकतर लोग दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन अगर आप अपने खान-पान पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देते हैं तो ऐसे में नेचुरल तरीके से ही एंग्जाइटी को मैनेज कर सकते हैं।

जी हां, ऐसे कई फूड्स होते हैं, जो आपको मेंटली रिलैक्स करने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। जिसकी वजह से हर दिन इनका सेवन करना आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपको मेंटली रिलैक्स करने और एंग्जाइटी को कम करने में सहायक साबित हो सकते हैं-

डार्क चॉकलेट

अगर आप नेचुरल व हेल्दी तरीके से एंग्जाइटी से निपटना चाहते हैं तो ऐसे में डार्क चॉकलेट खाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। यह शरीर में तनाव हार्मोन अर्थात कोर्टिसोल को कम करता है, जिससे ब्रेन में ह्लफील-गुड केमिकल्सह्लजैसे सेरोटोनिन रिलीज होता है। डार्क चॉकलेट चुनते समय आप 70 प्रतिशत से ज्यादा कोको वाली चॉकलेट ही चुनें।

मैग्नीशियम रिच फूड्स

एंग्जाइटी को कम करने के लिए मैग्नीशियम रिच फूड्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। कोशिश करें कि आप केला, पालक, कद्दू के बीज, बादाम आदि को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। खासतौर से, अगर एंग्जाइटी में आपकी बॉडी टाइट फील होती है तो ऐसे में मैग्नीशियम रिच फूड्स जरूर खाने चाहिए। इससे मसल रिलैक्सेशन के साथ-साथ अच्छी नींद भी आती है।

प्रोबायोटिक फूड्स

प्रोबायोटिक्स फूड्स जैसे दही, योगर्ट, फरमेंट फूड्स भी मूड को बूस्ट करने में मदद कर सकते हैं। दरअसल, ये फूड्स गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं, जिससे मूड अच्छा होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

हनुमान जी कलयुग के जागृत देव माने जाते हैं जो भक्तों को बल बुद्धि और विद्या प्रदान करते हैं : पंडित मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज : जिला सहित आसपास क्षेत्र में हनुमान जन्मोत्सव हनुमान जयंती 2 अप्रैल, गुरुवार को पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। जबकि सनातनी धर्म मानने वाले भक्तों के द्वारा गंगा तट पर स्नान करते भी नजर आऐ और भक्तों के द्वारा जयंती के अवसर पर पूजा पठा करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ

भी किऐ। इस संदर्भ में पंडित मुकेश मिश्रा ने बताया कि यह पर्व चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाता है।जो भगवान हनुमान के शक्ति भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इस दिन भक्त हनुमान जी की विशेष पूजा, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ करते हैं।और मंदिरों में शोभायात्राएं निकाली गई हैं। हनुमान जन्मोत्सव 2026 के मुख्य विवरणतिथि 2 अप्रैल 2026 पूर्णिमा तिथि प्रारंभ 01 अप्रैल 2026 को सुबह 07:06 बजे पूर्णिमा तिथि समाप्त 02 अप्रैल 2026 को

सुबह 07:41 बजे पूजा और महत्व विशेष पूजा हनुमान जी को सिंदूर, चमेली का तेल, और भोग गुड़-चना या लड्डू अर्पित किया जाता है।पाठः सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करने से संकट दूर होते हैं और हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है।मंत्रः 'ॐ हनुमंते नमः' या 'नासै रोग हरे सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा' का जाप किया गया है।महत्व हनुमान जी कलयुग के जागृत देव माने जाते हैं। जो भक्तों को बल बुद्धि और विद्या प्रदान करते हैं। यह पर्व भगवान शिव के 11वें रुद्रावतार अंजनीपुत्र हनुमान जी के जन्म दिवस के रूप में शक्ति, साहस और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों में विशेष पूजा, सिंदूर अर्पण, हनुमान चालीसा का पाठ और भंडारे आयोजित होते हैं। हनुमान जयंती 2026 का विवरण महत्व हनुमान जी भगवान राम के सबसे बड़े भक्त माने जाते हैं।उनकी पूजा से संकट दूर होते हैं और आत्मविश्वास बढ़ता है।और पाठ इस दिन सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, और बजरंग बाण का पाठ किया जाता है।जन्म कथा पौराणिक कथाओं के अनुसार, हनुमान जी माता अंजनी और केसरी के घर पैदा हुए थे। उन्हें पवनपुत्र वायु देव का अंश भी कहा जाता है। वे शिवजी का रुद्रावतार माने जाते हैं। यह पावन पर्व भक्तों के लिए ऊर्जा और भक्ति का संचार करने वाला होता है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं और बजरंगबली से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

गैस के लिए हाहाकार पुलिस लाइन में लगी लंबी कतार

संवाददाता

साहिबगंज : इन दोनों जिले में इंडियन एलपीजी गैस की किल्लत अब गंभीर रूप लेती जा रही है। गुरुवार को पुलिस लाइन मंदिर समीप गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। तेज धूप और भीषण गर्मी के बावजूद सैकड़ों लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर है। स्थिति इतनी खराब हो गई कि गैस नहीं मिलने से नाराज लोगों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। लोगों का कहना है कि कई दिनों से गैस नहीं मिलने के कारण घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी लाइन में लगे नजर आए, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। जबकि लोगों ने कहा कि जिला प्रशासन को तो गैस आसानी से मिल जाता है इसमें तो जनता को परेशानी होती है आखिर क्यों एचपी गैस वाला का डिलीवरी घर-घर जाकर बांट रहे हैं ।इंडियन गैस एजेंसी के मालिक की उदासीनता के कारण

यह समस्या उत्पन्न हो रही है ।इस ओर किसी भी जिला प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है और तो और नहीं किसी नेता का सिर्फ वोट लेने में के लिए लंबी-लंबी बातें करते हैं।जब अपना काम बन जाता है तो जनता को भूल जाते हैं। वहीं दूसरी और घंटों धूप में खड़े रहने के कारण एक व्यक्ति अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए उसे तुरंत टोटो में बैठाकर अस्पताल भेजा जहां उसका इलाज किया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने स्वस्तिक गैस एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान समय में होम डिलीवरी पूरी तरह ठप है। जिसके कारण सभी लोगों को खुद ही गैस लेने के लिए आना पड़ रहा है। इससे भीड़ बढ़ रही है और अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो रही है। हो सकता है कोई बड़ी दुर्घटना घटना के बाद जिला प्रशासन की आंख खुलेगी। समाचार लिखे जाने तक कोई भी जिला प्रशासन के लोग समस्या के निदान को लेकर नहीं पहुंचे हैं। यह बात भी सोचने वाला है।

नौ अप्रैल से नौ दिवसीय 11 कुंडिया लक्ष्मी नारायण यज्ञ का होगा शुभारंभ

5100 कलश लेकर महिलाएं कलश यात्रा में शामिल होंगी

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर परिसर में नौ अप्रैल को लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है ।वही अयोध्या से चलकर आए अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि यज्ञ हमारे भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा रही है ।अलग अलग कामना से यज्ञ कराते है ।संसार के कल्याण मानव के उत्थान करने वाला यज्ञ सफल होता है ।साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा मंदिर परिसर में नौ अप्रैल से 11 कुंडिया लक्ष्मी नारायण महा नौ दिवसीय आयोजित किया जाएगा ।काशी के डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में ये यज्ञ होगा। हमारे प्राकृतिक,संसारिक ओर देश व जिला का कल्याण हो।अयोध्या काशी वृंदावन से साधु संत पुरोहित सब का आगमन जिला में

होगा ।समिति अध्यक्ष विमल यादव ने बताया कि नौ अप्रैल से 17 अप्रैल तक चलेगा महायज्ञ होगा ।नौ अप्रैल को की सुबह 5100 कलश के साथ कलश यात्रा निकाला जाएगा। घोड़ा,रामगढ़ का बैंड बाजा कलश यात्रा में आकर्षक का केंद्र रहेगा। नौ दिन भंडारा, सुबह नौ बजे से रात 11 बजे तक चलेगा ।भक्तों का सुरक्षा व्यवस्था रहेगा ।मेला में बच्चों ओर श्रद्धालुओं के लिए तारा माची झूला,कई सारे दुकान सहित भव्य मेला का आयोजन किया जाएगा ।समिति की ओर से महायज्ञ का तैयारी युद्ध स्तर से किया जा रहा है ।यज्ञ मंडप का निर्माण सहित साधु संत के तप पूजन का जगह,दुकानों के लिए जगह,प्रतिमा के लिए ओर भंडारा के लिए ओर पूजन के लिए जगह बनाया जा रहा है ।मौके पर धीरन यादव,आदित्य याद,बम बम यादव सहित समिति सदस्य उपस्थित थे।

एमानुएल किस्कू को किया गया पुरस्कृत

संवाददाता

साहिबगंज : खेल युवा मामले भारत सरकार व छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 25 मार्च से 03 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ जगदलपुर में आयोजित हो रहे प्रथम खेलो इंडिया जनजातिय ट्राइवल गेम्स, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में में जिले में खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु एथलीट एमानुएल किस्कू ने 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ में रजत पदक जीत इतिहास रच दिया। कोच योगेश यादव के प्रशिक्षण में 15 वर्षीय एमानुएल किस्कू के द्वारा सीनियर पुरुष वर्ग में खेलो इंडिया एथलेटिक्स में जीता गया पहला पदक है। वहीं 110 मीटर हर्डल्स में चौथे स्थान पर रहे ।इस उपलब्धि पर उपायुक्त श्री हेमंत

सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई.टी.डी. ए. निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

महाझिंगा पालन से किसानों को बेहतर आमदनी प्राप्त होगी : डॉ एके दास

संवाददाता

दुमका : झारखंड सरकार के मत्स्य विभाग के तहत दुमका जिले के बाँकीबेरा जलाशय में महाझिंगा (झींगा) प्रजाति के बीज का संचयन किया गया। यह पहल आदिवासी समुदाय की आजीविका सुदृढ़ करने एवं आय में वृद्धि के उद्देश्य से की जा रही है।

दिनांक 30 मार्च 2026 को बाँकीबेरा जलाशय में महाझिंगा बीजों का संचयन किया गया। इसके साथ ही विभाग द्वारा जलाशय से जुड़े किसानों को महाझिंगा पालन हेतु आवश्यक आहार, मिनरल एवं जियोलाइट भी उपलब्ध कराया गया है।

इस कार्यक्रम का संचालन कुअफ-उक्प्रक्क बैरकपुर (कोलकाता) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए.के. दास के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महाझिंगा पालन से किसानों को बेहतर आमदनी प्राप्त होगी, क्योंकि वर्तमान समय में इसकी बाजार में मांग काफी अधिक है।

डीसी ने मसलिया में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मसलिया का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम केंद्र में आयोजित एचपीवी वैक्सीन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह वैक्सीन 14 से अधिक एवं 15 वर्ष से कम आयु की बच्चियों को अभिभावकों की उपस्थिति में दिया जा रहा है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने वैक्सीन लेने वाली बच्चियों से बातचीत कर उन्हें इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। इसके पश्चात उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए दवाओं की उपलब्धता का रैंडम जांच किया तथा मदर न्यू बोर्न केयर यूनिट, एक्स-रे रूम, ओटी, इमरजेंसी एवं पैथोलॉजी वार्ड का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। पैथोलॉजी जांच के दौरान उन्होंने किडनी फंक्शन टेस्ट, लिवर फंक्शन टेस्ट, ग्लूकोज सहित अन्य जांच से संबंधित सैंपलों की जानकारी ली तथा मरीजों को फोन कर सेवाओं की पुष्टि भी की। उन्होंने निर्देश दिया कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो एवं सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

इसके उपरांत उपायुक्त श्री सिन्हा ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय,

मसलिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर भोजन, आवास, बेड एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। स्मार्ट क्लास के उपयोग पर छात्राओं की सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उपायुक्त श्री सिन्हा ने छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रति जागरूक करते हुए शिक्षकों को इस विषय में जानकारी उपलब्ध कराने तथा 12वीं कक्षा की छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कंप्यूटर लैब, साइंस लैब एवं किचन का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके पश्चात उपायुक्त श्री सिन्हा ने एफसीआई गोदाम, मसलिया का निरीक्षण किया। उन्होंने रैंडम रूप से चावल की गुणवत्ता की जांच की तथा गोदाम प्रभारी से राशन उपलब्धता की विस्तृत जानकारी ली। गोदाम में बारिश का पानी चुने की समस्या पाए जाने पर उसे अविलंब दूर करने का निर्देश दिया। साथ ही सीसीटीवी कक्ष एवं स्टॉक रजिस्टर की जांच के दौरान अद्यतन अभिलेख नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय, मसलिया का निरीक्षण किया तथा वहां उपस्थित आम नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली एवं संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए।

मसलिया जाने के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने जामा प्रखंड के छैलापाथर पंचायत सचिवालय का औचक निरीक्षण किया, जहां कोई भी कर्मी उपस्थित नहीं पाए गए। इस पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित कर्मियों के वेतन को अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया।

समीपस्थ प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर उन्होंने बच्चों से बातचीत की एवं मध्याह्न भोजन, पुस्तकों एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही शौचालय मरम्मत एवं भवन सुधार के निर्देश दिए।

इसी क्रम में उन्होंने नावाडीह ग्राम स्थित आदिवासी कला संस्कृति भवन का निरीक्षण किया, जहां पुस्तकालय संचालित पाया गया। उपायुक्त ने इसकी सराहना करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करने की बात कही। गांव के निरीक्षण के दौरान उन्होंने चापानलों की स्थिति की समीक्षा की एवं खराब चापानलों को शीघ्र दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने पर बल दिया। साथ ही महिलाओं से बातचीत कर मंईया योजना एवं पीडीएस के तहत राशन वितरण की जानकारी ली, जिस पर संतोषजनक स्थिति पाई गई।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.सुनील कुमार सिंह प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी मसलिया सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

जो सफल नहीं हुए वे निराश न हों, असफलता ही सफलता की सीढ़ी है : अजय

साहिबगंज : विद्या भारतीविद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में परीक्षाफल वितरण समारोह का आयोजन किया गया।परीक्षाफल वितरण समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साहिबगंज विभाग प्रचारक अजय कुमार,साहिबगंज विभाग प्रमुख रमेश कुमार,समिति सचिव डॉ मृदुला सिन्हा,सह सचिव शशि जाजोदिया,अभिभावक प्रतिनिधि तेजनारायण भगत,प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माता,ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया।समारोह में उपस्थित अजय कुमार कोरमेश कुमार एवं रमेश कुमार को तेज नारायण भगत ने अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।परीक्षाफल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए अजय कुमार ने बताया कि जो भैया,बहन सफल हुए हैं उन्हें बधाई और जो सफल नहीं हुए,वे निराश न हों क्योंकि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है।रामचरित मानस के दोहे को उद्धत करते हुए उन्होंने बताया कि भैया बहन अपने माता,पिता का चरण स्पर्श करें।रमेश कुमार ने बताया कि जो भैया बहन वर्ष पर्यंत मेहनत करते हैं उनका परिणाम हमेशा अच्छा रहता है।यदि परिणाम ठीक नहीं आता है। तो हमें अपने कमियों को दूर करते हुए और बेहतर परिणाम के लिए प्रयास करना चाहिए।डॉ मृदुला सिन्हा ने अपने संबोधन में बताया की भैया बहनों के सफलता के पीछे कर्मठ आचार्यों की मेहनत और मार्गदर्शन है।समारोह में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया,बहनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।परीक्षाफल वितरण समारोह का संचालन स्नेहा भारद्वाज अतिथि परिचय सुनील पंडित ने किया।परीक्षाफल की घोषणा आचार्य कल्याण भंडारी ने किया।समारोह में परीक्षा प्रमुख आचार्य राघव वत्स,अमित कुमार,अजय कुमार साह,अजीत कुमार मालवीय,संतोष कुमार दास,सोनू शर्मा, किरण कुमारी गुप्ता,अर्चना वर्मा,लिपिका राज सिंह,निर्मला कुमारी,सोनी कुमारी,टीनू पाण्डेय,क्रिस्टीना मुर्मू,विद्यालय के समस्त भैया बहन अभिभावक बंधु उपस्थित थे।

वैदिक मंत्रोच्चार से मां गंगा का विधिवत पूजन कर गंगा की गई आरती

साहिबगंज : बुधवार को संध्या बजे चैत्र मास, शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि के पुनीत अवसर पर साहेबगंज, झारखंड के स्थानीय मुक्तेश्वर धाम, सीढ़ी घाट, गंगा तट पर प्रत्येक माह पूर्णिमा तिथि के तहत इस माह भी चैत्र पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मां गंगा सेवा समिति, साहिबगंज झारखंड की ओर से पंडित श्री धनेश तिवारी जी और पंडित वेदानन्द पाण्डेय जी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से मां गंगा का विधिवत पूजन कर भव्यता के साथ मां गंगा की आरती की गई। पूरा गंगा तट हर हर गंगे जय मां गंगे हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। गंगा पूजन व आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।इस शुभ अवसर पर मां गंगा सेवा समिति, साहेबगंज, झारखंड के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय, शशि कुमार सुमन, जगनमय मिश्रा, अरविन्द सिंह, संदीप अवस्थी, सिद्धार्थ कुमार, रोहित कुमार आदि भक्तजन उपस्थित थे।हर हर गंगे जय मां गंगे हर हर महादेव गंगा घाट गूंज उठा।

रबी मौसम की गेहूं फसल की हो रही कटनी

साहिबगंज : सदर प्रखंड अंतर्गत रबी मौसम की गेहूं फसल हेतु फसल कटनी प्रयोग का कार्य मखमलपुर दक्षिण पंचायत में सीसीई एप्लिकेशन के माध्यम से विधिवत रूप से संपन्न किया गया।जिसमें कुल चार फसल कटनी प्रयोग किए गए।प्राप्त आंकड़ों के आधार पर गेहूं की अनुमानित उपज लगभग 44.96 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, अर्थात लगभग 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई।फसल कटनी के दौरान प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार पांडे,सहायक तकनीकी प्रबंधक नीरज कुमार साहिबगंज सदर सौरभ कुमार,प्रखंड समन्वयक एचडीएफसी एग्रो इंश्योरेंस, साहिबगंज और प्रगतिशील किसान स्थल पर उपस्थित रहे।जिनकी उपस्थिति में कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पंकज मिश्रा ने असम चुनाव म हेमंत सोरेन की सभा की तैयारियों का लिया जायजा

साहिबगंज : असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है।इसी क्रम में पार्टी के

केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा बुधवार को असम के चुनावी दौरे पर पहुंचे,जहां उन्होंने खूंतई विधानसभा क्षेत्र के पूरा बंगला में आयोजित होने वाली जनसभा स्थल का निरीक्षण किया।इस जनसभा को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संबोधित करेंगे।निरीक्षण के दौरान पंकज मिश्रा ने सभा स्थल की तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए,ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।इस मौके पर साहिबगंज नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, पतना प्रखंड अध्यक्ष गुरु हेंब्रम सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

वीमेंस चैंपियंस लीग: आर्सेनल और बायर्न म्यूनिख सेमीफाइनल में

एजेंसी

लंदन : गत चैंपियन आर्सेनल ने वीमेंस चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में चेल्सी के खिलाफ 1-0 की हार के बावजूद कुल 3-2 के स्कोर के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पहले चरण में 3-1 की जीत के चलते आर्सेनल ने बढ़त कायम रखी और अंतिम चार में प्रवेश किया। स्टैमफोर्ड ब्रिज में बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में चेल्सी के लिए स्जोएके नुस्केन ने स्टॉपेज टाइम (90+4) में गोल किया, लेकिन यह टीम को आगे ले जाने के लिए काफी नहीं रहा। मैच के अंतिम

क्षणों में चेल्सी की वीरले बुरमान का शॉट पोस्ट से टकराया, जबकि आर्सेनल की गोलकीपर डैफ्ने वान डोम्सेलार ने नुस्केन के हेडर को शानदार तरीके से बचाया। मैच के अंत में चेल्सी की कोच सोनिया बोम्पास्तोर को रेड कार्ड भी दिखाया गया। चेल्सी ने शुरूआत से ही दबाव बनाए रखा, जिसमें सैम केर ने आक्रमण में अहम भूमिका निभाई। अब सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना वोल्फ्सबर्ग या लियोन में से किसी एक टीम से होगा। वहीं, दूसरे क्वार्टरफाइनल में बायर्न म्यूनिख ने शानदार वापसी करते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया और कुल 5-3 के स्कोर के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच के 81वें मिनट में ग्लोडिस विग्गोसडॉटिर ने कॉर्नर पर हेडर से गोल कर टीम को बराबरी दिलाई, इसके बाद 84वें मिनट में लिंडा डालमैन ने गोल कर जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से मेलविन मलार्ड ने 11वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी और कुल स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। हालांकि, दूसरे हाफ में बायर्न ने लगातार दबाव बनाया और अंततः मैच अपने नाम कर लिया। बायर्न म्यूनिख अब सेमीफाइनल में बार्सिलोना या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से भिड़ेगा। अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबले आज खेले जाएंगे, जिसमें बार्सिलोना पहले चरण में 6-2 की बढ़त के साथ रियल मैड्रिड की मेजबानी करेगा, जबकि वोल्फ्सबर्ग 1-0 की बढ़त के साथ लियोन का सामना करेगा।

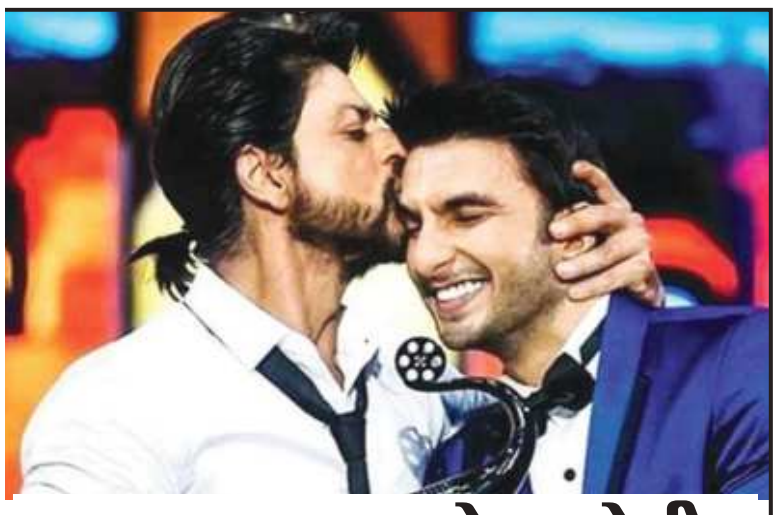

जब शाहरुख ने पहले ही कर दी रणवीर के बड़े स्टार बनने की भविष्यवाणी

यह कहना गलत नहीं होगा कि साल 2025 और 2026 रणवीर सिंह के नाम रहा। अभिनेता ने बॉक्स ऑफिस को हिलाकर रख दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि साल 2010 में यशराज फिल्म्स की फिल्म 'बैंड बाजा बारात' से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाला बिट्टू शर्मा धुरंधर बनकर सिनेमा पर छने वाला है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख खान ने अभिनेता के अभिनय की परख पहली ही फिल्म में कर दी थी और उसी वक्त कह दिया था कि 'ये आ गया है, अब हमारा क्या होगा'? रणवीर सिंह का करियर महज़ एक अभिनेता की शुरुआत नहीं थी, बल्कि पर्दे पर एक ऐसी ऊर्जा का विस्फोट था जिसे हिंदी सिनेमा ने दशकों से महसूस नहीं किया। अभिनेता के एनर्जी लेवल की हमेशा तारीफ होती है, और उन्होंने समय-समय पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया, चाहे वह 'लुटेरा' में खामोशी से दर्शकों का दिल जीतना हो, या फिर 'राम-लीला' और 'बाजीराव मस्तानी' से फैंस का दिल धड़काना हो। अभिनेता ने हर किरदार से सिनेमा में अपने कदमों को मजबूती से जमाया है। रणवीर की इसी प्रतिभा को शाहरुख खान ने उनकी पहली फिल्म 'बैंड बाजा बारात' में ही पहचान लिया था। अभिनेता को पहली फिल्म में फिल्मफेयर के बेस्ट डेब्यू एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया था। स्टेज पर रणवीर किसी बच्चे की तरह अवॉर्ड लेते वक्त रोए थे और फिल्ममेकर यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा का दिल से धन्यवाद दिया था। अभिनेता के लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि अवॉर्ड उन्हें शाहरुख खान के हाथों से मिला था।

शाहरुख खान ने भरी स्टेज पर कहा था कि 'तू क्यों हो रहा है? अब रोने का समय तो हमारा है क्योंकि हिंदी सिनेमा में तू जो आ गया है, अब पता नहीं, हमारा क्या होगा। शाहरुख ने रणवीर को बॉलीवुड का सबसे खूबसूरत और उभरता सितारा कहा था, हालांकि उस वक्त अभिनेता स्टेज पर सिसकते हुए थोड़ा सा हंसने की कोशिश कर रहे थे। रणवीर का करियर 'ऐंवई ऐंवई लूट गया' से शुरू होकर अब 'धुरंधर-2' के 'आरी-आरी' तक सफल मुकाम पर पहुंच गया है, जिसका इंतजार हर अभिनेता अपने फिल्मी करियर में करता है और बहुत कम लोग ही इस मुकाम तक पहुंच पाते हैं।

सैफ अंडर-20 चैम्पियनशिप: भारत ने भूटान को 5-0 से रौंदा, फाइनल में बांग्लादेश से भिड़ंत

एजेंसी

माले (मालदीव) : गत चैंपियन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को सैफ अंडर-20 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में भूटान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना 3 अप्रैल को बांग्लादेश से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में नेपाल को 1-0 से हराया। भारत की इस शानदार जीत के हीरो रोहेन सिंह चाफामायुम रहे, जिन्होंने 56वें और 57वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। इसके अलावा ओमांग डोडुम (44ह्न), मोहम्मद अरबाश (44ह्न) और स्थानापन्न खिलाड़ी मैलेमंगाम्बा थोकचोम (90+2ह्न) ने भी गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। मैच की शुरूआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और चौथे मिनट में ही बढ़त बना ली। बांगसन सिंह ताखेल्लाम्बाम के लंबे पास पर रोहेन ने शानदार दौड़ लगाई और बॉक्स में सटीक क्रॉस दिया, जिसे ओमांग डोडुम ने बेहतरीन अंदाज में गोल में तब्दील कर दिया। शुरूआती बढ़त के बाद भारत ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और लगातार भूटान के गोल पर हमले करता रहा। 44वें मिनट में डोडुम के शानदार मूव पर अरबाश ने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। दूसरे हाफ में भारतीय टीम और भी आक्रामक नजर आई। 56वें मिनट में रोहेन ने टीम के बेहतरीन संयोजन पर तीसरा गोल किया और इसके ठीक एक मिनट बाद उन्होंने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 4-0 कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मैलेमंगाम्बा थोकचोम ने 90+2वें मिनट में शानदार गोल कर भारत की 5-0 की बड़ी जीत पर मुहर लगा दी। पूरे मैच में भारत ने शानदार तालमेल, तेज गति और सटीक फिनिशिंग का प्रदर्शन करते हुए भूटान को कोई मौका नहीं दिया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज

आदिवासी पृष्ठभूमि से भारतीय टीम तक: प्रेरणादायक रही है किरण पिस्दा के संघर्ष और सफलता की कहानी

एजेंसी

रायपुर, 02 अप्रैल (हि.स.)। छत्तीसगढ़ की उभरती फुटबॉलर किरण पिस्दा ने अपने संघर्ष, मेहनत और मजबूत मानसिकता के दम पर राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाई है। हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान गोलकीपिंग कर उन्होंने अपने अनुभव और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया।24 वर्षीय किरण अपने करियर के शिखर पर मानी जा रही हैं। वह भारत के लिए खेल चुकी हैं और यूरोप में क्रोएशियन महिला लीग के क्लब डिनामो जाग्रेब के लिए भी खेल चुकी हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनकी बहुमुखी प्रतिभा है, जिसके चलते वह मैदान पर किसी भी पोजीशन में खेलने में सक्षम हैं। किरण का सफर आसान नहीं रहा, हालांकि शुरूआत में उन्हें स्कूल और परिवार से पूरा समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने। किरण ने बताया, ह्लस्कूल में मुझे काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिला और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। इसके बाद वह शारीरिक शिक्षा की पढ़ाई के लिए रायपुर आईं। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उनके प्रदर्शन ने चयनकताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय कैंप में बुलावा मिला। हालांकि उस समय वह चयन के लिए तैयार नहीं थीं। उन्होंने साई मीडिया के हवाले से कहा, ह्लउस समय मेरी फिटनेस और मानसिकता सीनियर खिलाड़ियों के स्तर की नहीं थी, इसलिए चयन नहीं हो पाया। लेकिन मैंने वहां से बहुत कुछ सीखा। इसके बाद किरण ने खुद पर कड़ी मेहनत की। फिटनेस सुधारी, मैचों का विश्लेषण किया और अपनी पोजीशन की समझ को बेहतर बनाया। सबसे बड़ा

बदलाव उनकी सोच में आया। उन्होंने कहा, ह्लमैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी, क्योंकि इसका सीधा असर प्रदर्शन पर पड़ता है। इस बदलाव में उनके कोच योगेश कुमार जांगड़ा का अहम योगदान रहा। किरण कहती हैं, ह्लजब भी मैं खुद को कमजोर महसूस करती हूं, तो उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। घरेलू स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्हें केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों से खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपने खेल में निरंतर सुधार किया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा को अपनी ताकत बनाया। किरण ने कहा, ह्लमैंने स्ट्राइकर के तौर पर शुरूआत की, फिर मिडफील्ड में खेली और अब राष्ट्रीय टीम में फुल-बैक की भूमिका निभा रही हूं। एक खिलाड़ी को हर पोजीशन के लिए तैयार रहना चाहिए। किरण 2022 के सैफ चैंपियनशिप में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं और कई बार देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हालांकि बड़े टूर्नामेंट्स में चयन न होना भी उनके करियर का हिस्सा रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एएफसी महिला एशियन कप के लिए चयन न होना उनके लिए निराशाजनक रहा। उन्होंने कहा, ह्लबड़े टूर्नामेंट में चयन न होना दुख देता है, लेकिन अब मैं इसे मोटिवेशन के रूप में लेती हूं और और ज्यादा मेहनत करती हूं। किरण ने दबाव को संभालना भी सीख लिया है। उनका मानना है कि उच्च स्तर पर खेलने के लिए मानसिक मजबूती जरूरी है।

उन्होंने कहा, ह्लजब आप ऊंचे स्तर पर खेलते हैं, तो दबाव हमेशा रहता है। उसे संभालना सीखना जरूरी है।ह्व

आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली किरण मानती हैं कि दूरदराज के क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन अवसरों की कमी होती है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे मंच इस अंतर को कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लट्राइबल क्षेत्रों में बहुत प्रतिभा है, लेकिन उन्हें मौके नहीं मिलते। यह प्रतियोगिता उन्हें मंच देती है और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी। फिलहाल किरण का लक्ष्य भारतीय महिला लीग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना और राष्ट्रीय टीम में नियमित जगह बनाना है। उन्होंने कहा, ह्लअगर चयन नहीं होता, तो इसका मतलब यह नहीं कि आप अच्छे खिलाड़ी नहीं हैं। इसका मतलब है कि आपको और मेहनत करनी होगी। किरण पिस्दा की यह कहानी न सिर्फ खेल जगत के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि यह दिखाती है कि कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत और सकारात्मक सोच से सफलता हासिल की जा सकती है।

आईपीएल 2026 : दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराया

लखनऊ : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का पांचवां मुकाबला बुधवार को राजधानी लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी (इकाना) स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच मैच खेला गया है। दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने 17.1 ओवर में 145 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। लुंगी एनगिडी और टी. नटराजन की घातक गेंदबाजी के बाद समीर रिजवी और ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की अपनी पहली जीत दर्ज की।

उफ्फ, ये सादगी...

45 की श्वेता का साड़ी लुक वायरल

कभी कसौटी जिंदगी की टीवी सीरियल से घर घर में पहचानी जाने वाली श्वेता तिवारी अब अपनी फिटनेस और खूबसूरती से फैंस को हैरान कर रही हैं. उन्होंने अब अपनी साड़ी लुक वाली कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. उनकी ये तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही हैं. टीवी जगत की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपनी खूबसूरती और फिटनेस के चलते चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर जब भी वो अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती हैं, लोग हैरान रह जाते हैं. टीवी जगत की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपनी खूबसूरती और फिटनेस के चलते चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर जब भी वो अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती हैं, लोग हैरान रह जाते हैं. श्वेता 45 साल की हैं, लेकिन उन्हें देखकर शायद ही कोई उनकी उम्र का अंदाज़ा लगा पाए. श्वेता अपनी फिटनेस का खास खयाल रखती हैं. कई बार तो लोग उन्हें उनकी बेटी पलक तिवारी की बड़ी बहन कह देते हैं. श्वेता तिवारी पिछले कुछ वक्त से साड़ी में अपनी तस्वीरें शेयर कर रही हैं और फैंस उनके इन लुक्स को खूब पसंद भी कर रहे हैं. अब एक बार फिर उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरे शेयर की हैं. श्वेता तिवारी पिछले कुछ वक्त से साड़ी में अपनी तस्वीरें शेयर कर रही हैं और फैंस उनके इन लुक्स को खूब पसंद भी कर रहे हैं. अब एक बार फिर उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरे शेयर की हैं. श्वेता इन तस्वीरों में हल्के लाल रंग की साड़ी में नज़र आ रही हैं. उनका देसी लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा गया. कुछ ही देर में इस पोस्ट पर सैकड़ों लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया और हजारों लाइक्स आ गए. कई लोग कमेंट में उनकी तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- 'उफ्फ तौबा, ये सादगी. श्वेता इन तस्वीरों में हल्के लाल रंग की साड़ी में नज़र आ रही हैं. उनका देसी लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा गया. कुछ ही देर में इस पोस्ट पर सैकड़ों लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया और हजारों लाइक्स आ गए. कई लोग कमेंट में उनकी तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- 'उफ्फ तौबा, ये सादगी. '

जैकी श्रॉफ ने फिल्म 'वन टू का फोर' की सिल्वर जुबली पर शेयर की पुरानी यादें

क्राइम ड्रामा फिल्म 'वन टू का फोर' के रिलीज को 25 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म की कहानी दो दोस्तों पर केंद्रित होती है। फिल्म में शाहरुख, जैकी और जूही मुख्य भूमिका में थे। फिल्म के 25 साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम के जरिए पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के पुराने क्लिप्स शेयर किए। अभिनेता ने लिखा, 'फिल्म 'वन टू का फोर' के रिलीज को 25 साल पूरे हो गए।' वन टू का फोर वर्ष 2001 में रिलीज हुई एक बॉलीवुड ड्रामा है, जिसका निर्देशन शशिकला के नायर ने किया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई नहीं की थी लेकिन अपनी बेहतर कहानी और प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसमें शाहरुख खान का किरदार दर्शकों को बहुत पसंद आया। वे बच्चों के साथ कैसे जुड़ते हैं और अपराधियों से लड़ते हैं, यह देखना रोचक था। फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत भी खास था। फिल्म के इस सफर ने बॉलीवुड में कई यादें छोड़ी हैं। शाहरुख खान का स्टाइल, एक्शन सीक्वेंस और बच्चों के साथ के सीन आज भी लोगों को अच्छे लगते हैं। जैकी श्रॉफ जैसे अनुभवी अभिनेता की मौजूदगी ने फिल्म को मजबूती दी।

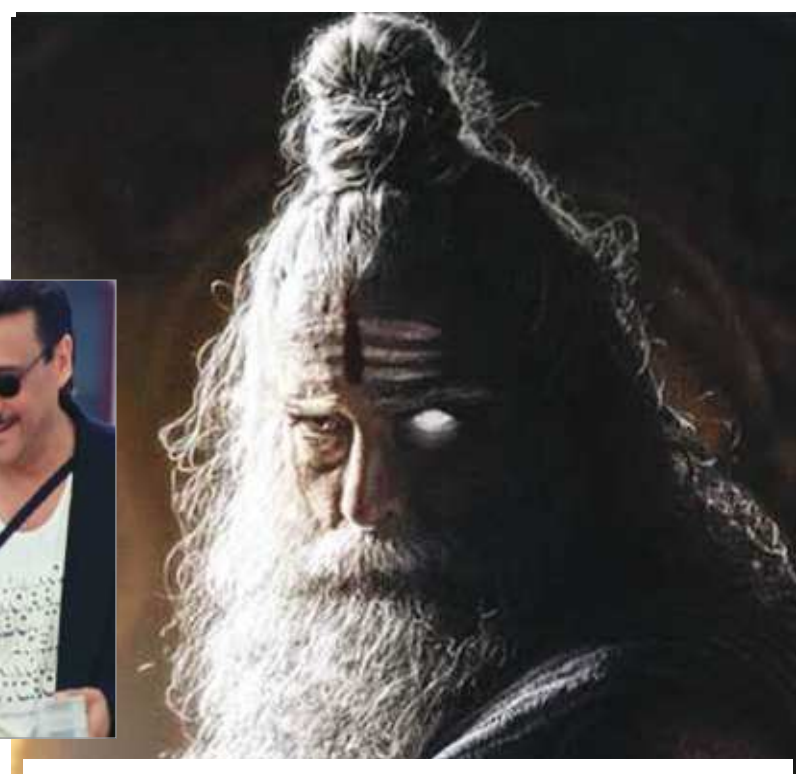

अक्षय खन्ना का साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू

फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के बाद अब अक्षय खन्ना साउथ सिनेमा में दिखाई देंगे। वे निर्देशक प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के सेट से अक्षय खन्ना की एक बिहाइंड-द-सीन फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। इसे खुद निर्देशक प्रशांत वर्मा ने शेयर किया है। फोटो के साथ उन्होंने अक्षय खन्ना के लिए एक खास मैसेज भी लिखा है। फिल्म 'महाकाली' के जरिए अक्षय खन्ना तेलुगू सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा के 'सिनेमैटिक यूनिवर्स'का एक अहम हिस्सा होगी। इससे पहले फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें अक्षय खन्ना 'असुर गुरु शुक्राचार्य' के रहस्यमयी किरदार में नजर आए थे।

प्रशांत वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्षय खन्ना के साथ फोटो शेयर करते हुए एक्टर की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'एक सच्चे अभिनेता यह साबित करते हैं कि असली टैलेंट को दिखावे की जरूरत नहीं होती। अक्षय की पर्दे पर मौजूदगी, दमदार अभिनय और उनका क्लास हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।' प्रशांत ने आगे बताया कि वे दुनिया को यह दिखाने के लिए बेताब हैं कि उन्होंने साथ मिलकर क्या बनाया है।

जरूरतमंद के आवास और बीमार के इलाज की होगी व्यवस्था : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। गोरखनाथ

मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 100 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद मांगने वाले लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को चॉकलेट देकर मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मौसम विभाग का छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने सक्रिय मौसमी सिस्टम के कारण अगले 2-3 दिनों तक कई जिलों में तेज आंधी-तूफान (40-50 किमी/घंटा), ओलावृष्टि और गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए विशेषकर बस्तर संभाग के बीजापुर, नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि और तेज आंधी के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है । रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा संभाग के जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां गरज-चमक के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने सूरजपुर, कोरिया, पेंड्रा, कोरबा, मुंगेली, बिलासपुर, बालोद, राजनांदगांव और बेमेतरा जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज आंधी, बिजली गिरने और मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई है। बस्तर के तोकापाल, भनपुरी और जगदलपुर जैसे इलाकों में बारिश हुई है ।राजनांदगांव में सबसे ज्यादा 38.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जबकि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान सबसे कम रहा। बारिश और बादलों के कारण अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है, जिससे भीषण गर्मी से राहत मिलेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

बिहार के युवक की मुम्बई में हत्या से गुस्साए लोगों ने शव पहुंचने पर सड़क किया जाम

पटना : बिहार के युवक की मुम्बई के धारवी में बीते दिनों हत्या कर दी गई थी, जिसका शव गांव पहुंचने पर लोग भड़क गए और सड़क जाम कर दिया। जानकारी के मुताबिक मुम्बई के धारावी माहिम फाटक इलाके में शिवहर जिले के एक युवक की हत्या के मामले में गुरुवार को मृतक के पैतृक गांव लौटे शव के बाद परिजन और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने शिवहर-तरियानी-मीनापुर स्टेट हाइवे को वैद्यनाथपुर के पास पूरी तरह जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान टायर जलाकर सड़क पर आगजनी भी की गई, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद न तो किसी अधिकारी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और न ही किसी जनप्रतिनिधि ने हालचाल लिया। इस अनदेखी से लोगों का गुस्सा और बढ़ गया, जिसके बाद उन्होंने शव के साथ सड़क पर बैठकर न्याय और मुआवजे की मांग शुरू कर दी। मृतक तरियानी थाना क्षेत्र के वैद्यनाथपुर गांव निवासी अवधेश ठाकुर के 25 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार ठाकुर है। जानकारी के अनुसार धीरज की हत्या 30 मार्च की सुबह मुम्बई के धारावी माहिम फाटक क्षेत्र में कर दी गई थी। घटना के संबंध में मृतक के भाई नीरज कुमार ठाकुर ने मुम्बई के शाहुनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एफआईआर में धारावी माहिम फाटक रोड स्थित गौसिया गली बनवारी कंपाउंड के रहने वाले कई लोगों को नामजद किया गया है। आरोपियों में ओसामा मकसूद अली शेख, आवेश कलीम शाह, अज्जू यासीन शेख और मो अरमान सुभान चौधरी के नाम शामिल हैं।

परिजन का आरोप है कि इन लोगों ने पहले पैसे की मांग को लेकर विवाद किया और बाद में साजिश के तहत धीरज की बेरहमी से हत्या कर दी। विरोध करने पर उसके भाइयों पर भी हमला किया गया, जिससे वे घायल हो गए। परिजनों का कहना है कि यह पूरी घटना पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया था। इसके बाद एंबुलेंस के जरिए शव को गांव लाया गया, जो गुरुवार तड़के वैद्यनाथपुर पहुंचा। जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा और लोग सड़क पर उतर आए।

डिमापुर पहुंचे राहुल गांधी, बोकाजान में चुनावी सभा को किया संबोधित

कार्बी आंगलोंग : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज डिमापुर पहुंचे, जहां से वे सीधे असम के पहाड़ी जिले काबीआंगलोंग के बोकाजान में आयोजित चुनावी सभा में शामिल हुए। यह सभा विपक्षी एकता मंच के समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में आयोजित की गई है, जहां राहुल गांधी कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। सभा स्थल पर 15 हजार से अधिक लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई। सभा में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई समेत विपक्षी एकता मंच के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। वहीं, पिछले दो दिनों से पहाड़ी जिले में भाजपा के कई नेता, जिनमें पीयूष हजारिका भी शामिल हैं, डेरा डाले हुए हैं। इसी बीच, राहुल गांधी के दौरे के दौरान पीयूष हजारिका की मौजूदगी में कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकताओं के भाजपा में शामिल होने की खबर है, जिससे चुनावी माहौल और गरमा गया है।

पांडु नदी पुल के पास मिला अज्ञात शव, पहचान में जुटी पुलिस

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के बिधूना तहसील क्षेत्र अंतर्गत बेला थाना क्षेत्र में पांडु नदी पुल के पास गुरुवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति (पुरुष) का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, मृतक व्यक्ति को बुधवार शाम मंदिर के पास घूमते हुए देखा गया था। रात के समय वह वहीं गिर गया था और हलचल भी कर रहा था, लेकिन लोगों ने उसे नशे की हालत में समझकर ध्यान नहीं दिया। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे तक जब वह उसी स्थिति में निढाल पड़ा रहा, तब ग्रामीणों को संदेह हुआ। इसके बाद स्थानीय लोगों व राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बेला थानाध्यक्ष गंगादास गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल चिचौली भेज दिया। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पहचान के लिए उसकी फोटो सोशल मीडिया और आसपास के थानों में भेज दी गई है। मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। वहीं स्थानीय स्तर पर भी मृतक की पहचान के लिए पूछताछ जारी है।

जलपाईगुड़ी में ट्रेन से 14 बांग्लादेशी गिरफ्तार

जलपाईगुड़ी : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर कामाख्या-आनंद विहार नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में बीती रात अभियान चलाकर 14 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल है। आरपीएफ सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पहले से ही निगरानी रखी जा रही थी। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, सामान्य डिब्बे में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान 14 संदिग्धों की पहचान कर उन्हें ट्रेन से उतारकर हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से कई आधार कार्ड और पैन कार्ड बरामद हुए। इसके अलावा मलेशिया की मुद्रा और मोबाइल फोन भी मिले है। जब आधार कार्ड के नंबरों की जांच की गई तो वे फर्जी पाए गए। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि सभी आरोपित बांग्लादेश के अलग-अलग जिलों के रहने वाले है। वे अवैध रूप से सीमा पार कर उत्तर-पूर्व भारत में दाखिल हुए थे और कामाख्या से दिल्ली जाने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में सवार हुए थे। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पहुंचने के बाद उनका जम्मू-कश्मीर जाने का भी प्लान था। आरपीएफ आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

शिमला से लापता नाबालिग बालिका कालका से सकुशल बरामद

शिमला : जिला शिमला में नाबालिग बालिका के लापता होने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार बालिका अपने परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से चली गई थी और कालका क्षेत्र में अपने एक दोस्त के घर पहुंच गई थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 31 मार्च को एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत थाना महिला शिमला में दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसी दिन भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया और बालिका की तलाश के लिए तुरंत विशेष टीम गठित की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया। इस दौरान पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी का उपयोग करते हुए लगातार प्रयास जारी रखे। पुलिस की इसी सक्रियता के चलते अगले ही दिन यानी 1 अप्रैल 2026 को बालिका को कालका क्षेत्र में काली माता मंदिर मुख्य मार्ग के पास से सकुशल बरामद कर लिया गया।

उत्तराखंड में जनसंख्या नियंत्रण कानून पर बहस तेज, भाजपा विधायक की मांग पर धामी सरकार करेगी मंथन

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड में जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर नई बहस शुरू हो गई है। ग्रीष्मकालीन राजधानी भराणीसैंण में बजट सत्र के दौरान रुद्रपुर से भाजपा विधायक शिव अरोरा की ओर से राज्य में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू किए जाने की मांग उठाए जाने के बाद यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में आ गया है। सत्र के दौरान उठे इस प्रस्ताव को भाजपा के कुछ अन्य विधायकों का समर्थन मिला है, जबकि विपक्ष ने इसका विरोध किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस विषय पर तत्काल निर्णय के बजाय व्यापक वैचारिक मंथन की आवश्यकता जताई है। विधायक शिव अरोरा ने सदन में राज्य की बदलती जनसंख्या संरचना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जनसांख्यिकीय असंतुलन भविष्य में गंभीर चुनौती बन सकता है। उन्होंने तीन से अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकारी योजनाओं से वंचित करने का सुझाव भी दिया। उनके अनुसार, इससे राज्य के संसाधनों और बजट पर पड़ने वाले दबाव को

नियंत्रित किया जा सकता है। इस मुद्दे पर भाजपा के अन्य विधायकों ने भी समर्थन जताया, जबकि कांग्रेस ने इसे राजनीतिक दृष्टि से प्रेरित बताया।

विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस विधायक काजी मोहम्मद निजामुद्दीन ने कहा कि भाजपा इस तरह के मुद्दों के जरिए एक वर्ग विशेष को निशाना बनाती है। उन्होंने टिप्पणी की कि इस प्रकार के बयान संकीर्ण मानसिकता को दशार्ते हैं। इस प्रकार के प्रस्ताव एक विशेष वर्ग को लक्षित करते हैं और इसे संकीर्ण सोच करार दिया।

विशेषज्ञों का मानना है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून एक व्यापक नीति विषय है, जिस पर राज्य स्तर के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा आवश्यक है। रणनीतिक मामलों के जानकारों के अनुसार, यदि राज्य सरकार इस दिशा में आगे बढ़ती है तो उसे विधायी और नीतिगत स्तर पर विस्तृत तैयारी करनी होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि उत्तराखंड सरकार इस विषय पर कोई ठोस कदम उठाती है, तो उसे केंद्रीय नेतृत्व की सहमति की भी आवश्यकता हो सकती है, जैसा कि पूर्व में समान नागरिक संहिता जैसे मामलों में देखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर उठाई गई मांग संबंधित विधायक का निजी विचार है, जिसे अध्यक्ष के माध्यम से सरकार के समक्ष रखा गया है।

डोनाल्ड ट्रंप का देशवासियों से सब्र रखने का आह्वान

एजेंसी

वाशिंगटन : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के हमले को ईरान और उसके सहयोगियों की लगभग आधी सदी से की जा रही हिंसा का बदला बताया। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ट्रंप ने बुधवार रात अमेरिकी मतदाताओं से युद्ध के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश की। राष्ट्रपति ट्रंप ने लगभग 20 मिनट के अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में अमेरिकी सैन्य अभियान की तारीफ की। उन्होंने देशवासियों से सब्र रखने की अपील की। इस युद्ध को अमेरिकियों के सुरक्षित भविष्य के लिए किया गया एक ₹निवेश₹ बताया। राष्ट्रपति ट्रंप का यह 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के दौरान ईरान को केंद्र में रखकर दिया गया पहला राष्ट्र के नाम संबोधन है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा, ₹मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम मुख्य रणनीतिक लक्ष्य पूरे होने के करीब हैं।₹ उन्होंने अपना वह वादा दोहराया कि अगले दो से तीन हफ्तों में वह ईरान पर बमबारी करके उसे ₹पाषाण युग में वापस भेज देंगे।₹ उन्होंने ईरान के बिजली संयंत्रों पर

हमला करके युद्ध को और बढ़ाने की अपनी धमकी को ही दोहराया। उन्होंने कहा, ₹ ईरान का नया नेता कम कट्टरपंथी है और कहीं ज्यादा समझदार है। अगर इस दौरान कोई समझौता नहीं हो पाता है, तो हमारी नजरें कुछ अहम ठिकानों पर रहेंगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी युद्ध खत्म करने के लिए मध्यस्थों के साथ काम कर रहे हैं। व्हाइट हाउस से संबोधन के दौरान उन्होंने अपने इस दावे को दोहराया कि अमेरिका ने सत्ता परिवर्तन हासिल कर लिया है। उनके सभी मूल नेताओं की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने कहा, ₹अगर कोई समझौता नहीं होता है, तो हम उनके बिजली संयंत्रों पर एक साथ हमला करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के तेल ठिकानों पर हमला नहीं किया है, जबकि इनको निशाना बनाना सबसे आसान था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की भागीदारी की तुलना आधुनिक इतिहास के दूसरे संघर्षों से की। उन्होंने कहा, ₹यह बहुत जरूरी है कि हम इस संघर्ष को सही नजरिए से देखें।₹ उन्होंने हाल के युद्धों में अमेरिका की भागीदारी की अवधि गिनाई- पहला विश्व युद्धः 1 साल, 7 महीने, 5 दिन, दूसरा विश्व युद्धः 3 साल, 8 महीने, 25 दिन, कोरियाई युद्धः 3 साल, 1 महीना, 2 दिन, वियतनाम युद्धः 19 साल, 5 महीने, 29 दिन और इराक युद्धः 8 साल, 8 महीने, 28 दिन। उन्होंने उन लोगों को यह याद दिलाने की कोशिश की जो विदेशों में कभी न खत्म होने वाले युद्धों और देश में बढ़ती गैस की कीमतों को लेकर चिंतित हैं।

सहकार भारती का कार्य बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा इकाई गठन को करें : प्रदेश अध्यक्ष

एजेंसी

वाराणसी : वाराणसी के दुगाकुंड स्थित धर्मसंघ सभागार में सहकार भारती के दो दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी के समापन दिवस के प्रथम सत्र में प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ने इकाई गठन पर जोर दिया। गुरुवार को सभागार में कार्यकताओं को अरुण कुमार ने कहा कि सहकार भारती का कार्य को बढ़ाने के लिए ज्यादा ज्यादा इकाई गठन करें। बिना संस्कार नहीं सहकार, बिन सहकार नहीं उद्धार, की भावना से कार्य को गति दीजिए। आज माहौल बदल रहा है, लोग सहकार की ओर आगे बढ़ रहे हैं। जैसे पांच सितारा होटल में बजरी की रोटी

सबसे ज्यादा महंगी हो गई है, जिसे कभी गांव में खाते थे तो उसे लोग पसंद नही करते थे। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक खेती करने पर सहकार भारती जोर दे रही है। ऑर्गेनिक खेती के लिए लोग अपनी जमीनें देने को तैयार है। औषधियों की खेती के लिए हम कार्य करने के लिए किसानों से वार्ता कर रहे हैं। सहकारिता को आगे बढ़ाने के लिए इकाइयां बन रही है। तेजी से कार्य बढ़ रहा है, सभी कार्यों में इकाइयों के कार्यकताओं से सहयोग लेना है। इसी दौरान सहकार भारती की तमाम गतिविधियों प्रकोष्ठों के प्रमुखों ने अपनी बातों को रखा। ऑर्गेनिक प्रकोष्ठ, गन्ना प्रमुख इत्यादि ने मूल्य और मांग के बिंदुओं को रखा। प्रमुखों की बातों में प्रदेश सरकार के अधिकारियों से मिलने वाली मदद पर जोर दिया गया। अपने वृत्त रखते हुए दुग्ध प्रकोष्ठ रामवीर ने कहा कि सात इकाइयां आज कार्य कर रही है। जिला स्तर पर कार्य चल रहे हैं और एक माह के अंदर बड़ा सम्मेलन करने वाले हैं। इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी के तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खड़गपुर में प्रचार के लिए निकले दिलीप घोष को झेलना पड़ा जनाक्रोश

एजेंसी

खड़गपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर शहर के पुरीगेट इलाके में गुरुवार को भाजपा नेता दिलीप घोष को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या 27 के पुरीगेट क्षेत्र में रेलवे द्वारा अवैध कब्जा हटाने का नोटिस जारी होने के बाद इलाके में पहले ही तनाव बना हुआ था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नोटिस आने के बावजूद दिलीप घोष या अन्य भाजपा नेता प्रभावित परिवारों की मदद के लिए नहीं आए। गुरुवार सुबह जब दिलीप घोष प्रचार कार्यक्रम के लिए इलाके में पहुंचे, तो नाराज लोगों ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कठिन समय में जनप्रतिनिधि होने के बावजूद उन्होंने लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। स्थानीय लोगों ने सिर्फ. दिलीप घोष ही नहीं, उनके साथ मौजूद भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ भी नाराजगी जताई। ह्यजय बंगलाह्न और ह्यजय श्रीरामह्न के नारे माहौल को और तनावपूर्ण बना गए। स्थानीयों का आरोप है कि रेलवे नोटिस के समय भाजपा नेता मौजूद नहीं थे, इसलिए उनकी अचानक उपस्थिति ने गुस्सा बढ़ा दिया। घटना के दौरान कुछ समय के लिए पुरीगेट क्षेत्र में सड़क अवरुद्ध और माहौल तनावपूर्ण रहा। प्रशासन को स्थिति को काबू में करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस घटना के बाद इलाके में राजनीतिक सरगर्मी और बढ़ गई है, और स्थानीय लोग आगामी चुनाव को लेकर अपने असंतोष व्यक्त कर रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग से पावरिका लिमिटेड ने किया निराश

एजेंसी

नई दिल्ली : डीजल जेन सेट का उत्पादन करने के साथ ही विंड पावर बिजनेस में भी काम शुरू करने वाली कंपनी पावरिका लिमिटेड के शेयरों ने आज जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 395 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.06 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 375 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 7.34 प्रतिशत डिसकाउंट के साथ 366 रुपये के स्तर पर हुई।

कमजोर लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये ये शेयर उछल कर 388.95 रुपये के स्तर तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने पर इसने 365.10 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया।

सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 370 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 370.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक छह प्रतिशत से अधिक के नुकसान में थे।

पावरिका लिमिटेड का 1,100 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.47 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.16 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इसके अलावा एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.30 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,78,48,100 शेयर जारी किए गए थे। इनमें 700 करोड़ रुपये के 1,77,21,518 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 400 करोड़ रुपये के 1,01,26,582 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 106.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 226.11 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 175.83 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 134.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 2,422.42 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 2,356.77 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,710.93 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 1,474.87 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 278.88 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 177.52 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 300.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 571.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

न्यूज IN ब्रीफ

साधु के वेश में रेल यात्रियों को लूटने वाले सात गिरफ्तार

धनबाद : नशीला लड्डू खिलाकर रेल यात्रियों को लूटने वाले यूपी के एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। धनबाद रेल मंडल की आरपीएफ की स्पेशल टीम ने रेल पुलिस की मदद से गिरोह के सात अपराधियों को दबोचा। वे साधु का वेश धारण कर ट्रेन में जहरखुरानी गिरोह चला रहे थे। गिरोह ने ट्रेन में एक महिला को नशीला लड्डू खिलाया था, जिससे उनकी जान चली गई थी। बुधवार को पकड़े गए आरोपियों को जेल भेज दिया गया। 11 मार्च की रात 20975 चंबल एक्सप्रेस के अगले जेनरल कोच में धनबाद से बांदा के लिए यात्रा कर रही शिवानी (30 वर्ष) को नशीला लड्डू खिलाकर गिरोह ने उनके सामान लूट लिए थे।
महिला के पर्श, चार हजार नगद व चांदी की पायल व बिछिया चोरी कर ली थी। महिला अपने पति खिल्लू के साथ यात्रा कर रही थी। पीड़िता लड्डू खाकर बेहोश हो गई थीं। उनके पति ने बेहोशी की हालत में उन्हें बांदा में उतार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। चार दिन तक इलाज चलने के बाद 15 मार्च को महिला की मौत हो गई थी। पति की शिकायत पर बांदा रेल पुलिस ने मामला दर्ज किया था। घटना गोमो से कोडरमा स्टेशन के बीच की बताई गई थी। लिहाजा 21 मार्च को कोडरमा रेल थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।बंगाल से यूपी तक सीसीटीवी की जांच से बेपर्द हुए चेहरेआरपीएफ इंस्पेक्टर अजय प्रकाश ने बताया कि बंगाल के स्टेशनों से लेकर झारखंड, बिहार और यूपी के स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की जांच कर आरोपियों के चेहरों को बेपर्द किया गया। जांच में पता चला कि धनबाद स्टेशन पर गिरोह में शामिल एक कथित साधु पानी लेने के लिए उतरा था। पीड़िता ने मौत से पूर्व इसी तरह के लिबास में अन्य साधुओं के होने की बात बताई थी। बाद में आसनसोल और वर्दमान स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। पता चला कि पांच साधु वर्दमान और दो साधु आसनसोल से कोच में सवार हुए थे। पीड़िता ने एक साधु की पहचान कर ली थी। ये साधु आसनसोल और वर्दमान किस ट्रेन से आए इसका पता लगाने के लिए वर्दमान से हावड़ा तक सभी स्टेशनों का सीसीटीवी फुटेज देखा गया। ट्रेन बदल-बदल कर अपने घर भागे थेः जांच में पता चला कि सभी बंगाल के काली पहाड़ी स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन से आसनसोल व वर्दमान आए और वहां चंबल एक्सप्रेस में सवार हुए थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर कथित सातों साधुओं को चंबल एक्सप्रेस से उतर कर स्टेशन से बाहर निकलते देखा गया था। वहां से सभी चार पहिया वाहन से वाराणसी कैंट की तरफ जाते दिखे। वाराणसी कैंट के सीसीटीवी में आरोपी बनारास-लखनऊ शटल एक्सप्रेस में चढ़कर लखनऊ की तरफ जाते दिखे। आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट ने बनाई थी टीमः घटना की गंभीरता को देखते हुए धनबाद आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट अनुराग मीणा ने आरपीएफ सीआईबी इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राम की अगुवाई में पांच सदस्यीय टीम का गठन कर जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी। टीम ने सुल्तानपुर स्टेशन पर गिरोह के साधु को सीसीटीवी फुटेज में उतरते देखा। मुसाफिरखाना स्टेशन पर स्थानीय लोगों ने बताया कि इस तरह के साधु अमेठी जिले के निहालगढ़ स्टेशन के नजदीक वाले गांव में रहते हैं। निहालगढ़ (महाराजा बिजली पासी) स्टेशन पर जांच के दौरान एक आरोपी साधु टीम के हत्थे चढ़ गया। वहीं सातों आरोपियों का सत्यापन हुआ। कभी हिंदू तो कभी मुस्लमान बनकर करते थे लूटपाटः निहालगढ़ में हुई जांच में पता चला कि सातों मांगता जाति के हैं। वे कभी हिंदू तो कभी मुस्लिम ढोंगी बनकर ट्रेन में लूटपाट करते थे। सत्यापन के क्रम में मिले मोबाइल नंबर का लोकेशन निकाला गया, तो उनका आसनसोल में लोकेशन मिला। तब टास्क टीम आसनसोल पहुंची। वहां जांच में पता चला कि सभी काली पहाड़ी स्टेशन के दक्षिण में तम्बू लगाकर अस्थाई तौर पर रहते हैं। सभी आरोपियों की रेकी की जा रही थी। मंगलवार को आसनसोल-गया पैसेंजर ट्रेन में पीछा कर उन्हें कोडरमा स्टेशन पर दबोच लिया गया। उनके पास से नशीली दवा, ताबीज, जंतर, मोर पंख झाड़ू, माला, लाल पगड़ी, रुद्राक्ष माला, पीतल की छोटी मूर्ति, प्लास्टिक की मूर्ति, धातु का सरेता, कमंडल, कीपैड वाले चार मोबाइल, पांच हजार नगद आदि जब्त किए गए। सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया है। इनकी हुई है गिरफ्तारीपकड़े गए कथित साधुओं की पहचान धूमी, रज्जाक जोगी, राजू, पहाड़ी, कृपाल, सुनील, मूला उर्फ रामचंद्र के रूप में हुई। सभी अमेठी के रहने वाले हैं। छापेमारी टीम में सीआईबी इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राम, धनबाद सीबीआई के शशिकांत तिवारी, अमित कुमार प्रसाद, गुरपा के हवलदार जितेंद कुमार प्रसाद, आरपीएफ के मिंकू कुमार, आदित्य नारायण राय, कोडरमा रेल पुलिस के एसआई उपेंद्र कुमार, सुखदेव कुमार आदि शामिल थे।

उपायुक्त ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित, उज्जवल भविष्य की दी शुभकामनाएं

देवघर : जिले के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले के उन प्रतिभावान खिलाड़ियों से मुलाकात की, जिन्होंने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला महिला अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए फाइनल मैच में रांची को पराजित कर विजेता ट्रॉफी को अपने नाम किया। मुलाकात के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। आगे उन्होंने खिलाड़ियों के साथ उनके अनुभवों पर चर्चा की और खेल के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी है, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का संचार भी करता है। साथ ही उपायुक्त ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि जिले में खेल की दिशा को और बेहतर बनाने और अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन खिलाड़ियों की सफलता से प्रेरित होकर जिले के अन्य युवा भी खेलों के प्रति सजक और समर्पित होंगे। मौके पर जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, संबंधित अधिकारी व क्रिकेट संघ के सदस्य मौजूद थे।

41 वर्षीय लक्ष्मी राम लापता, परिजन चिंतित

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के विश्वसिया गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश राम के पुत्र लक्ष्मी राम (उम्र करीब 41 वर्ष) रांची के इटकी से अपने घर लौटने के दौरान लापता हो गए हैं। उनके अचानक गायब हो जाने से परिजन काफी चिंतित और परेशान हैं।

परिजनों के अनुसार, लक्ष्मी राम रांची के इटकी में सरिया सेंटरिंग का काम करते थे। मंगलवार की शाम लगभग 5:00 बजे वह रांची से बस पकड़कर अपने घर विश्वसिया के लिए निकले थे, लेकिन अब तक घर नहीं पहुंचे हैं। इस कारण परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई है। परिजनों ने बताया कि उनका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ बता रहा है, जिससे संपर्क नहीं हो पा रहा है और चिंता और बढ़ गई है।

झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश पर चाईबासा मंडल कारा का हुआ औचक निरीक्षण

बिनय मिश्रा

चाईबासा : झारखंड उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुपालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्रभारी सचिव एंजिलिना नीलम मडकी, सिविल सर्जन डॉ जुझार मांझी और जिला के उप सिविल सर्जन अस्पताल उपाधीक्षक डॉक्टर शिव चरण हांसदा ने मंडल कारा चाईबासा का विस्तृत निरीक्षण किया

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में बंदियों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और मानवाधिकारों की उपलब्धता की जांच करना था.

टीम ने विशेष रूप से मंडल कारा के मेडिकल वार्ड का भ्रमण किया और वहां भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य एवं उन्हें दी जा रही दवाओ का जायजा लिया उन्होंने मेडिकल वार्ड में साफ सफाई, बेड की उपलब्धता और आपातकालीन

चिकित्सा उपकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की उन्होंने कारा प्रशासन को जेल में उपलब्ध दवाइयों की समय सीमा का ध्यान रखने एवं पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उन्होंने जेल में रह रहे बंदियों से सीधे संवाद किया और उनके स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानकारी ली, बीमार बंदियों को समय पर परामर्श उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया,

इसके साथ ही जेल परिसर में उपलब्ध अन्य बुनियादी सुविधाओं जैसे स्वस्थ पेयजल और आहार की गुणवत्ता का भी उन्होंने बारीकी से निरीक्षण किया, इस दौरान प्राधिकार की सचिव ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार बंदियों के कानूनी और स्वास्थ्य अधिकारों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता है, उन्होंने कारा प्रशासन को निर्देश दिया कि यदि किसी बंदी को गंभीर बीमारी के कारण बेहतर इलाज की आवश्यकता हो तो उन्हें अविलंब उच्च केंद्रों पर भेजने की व्यवस्था की जाए, इस अवसर पर जेल अधीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे.

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन

संवाददाता

देवघर : जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा ने बुधवार को जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की । बैठक में विशेष रूप से देवघर ग्रामीण क्षेत्र की पोषक परियोजना की महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा द्वारा जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन सुनिश्चित करने हेतु उनके खुलने एवं बंद होने के समय की सतत जांच महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा किए जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण के अलावा जर्जर एवं क्षतिग्रस्त आंगनबाड़ी केंद्रों की पहचान कर उसकी रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने आंगनबाड़ी केंद्रों की निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालयों के साथ सह-स्थापना की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई तथा आवश्यक प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए गए। आगे आंगनबाड़ी केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय व्यवस्था एवं विद्युत संयोजन की उपलब्धता की समीक्षा की गई तथा जहां कमी पाई गई, वहां शीघ्र सुधार हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त टेक होम राशन (ळलफ) के वितरण की स्थिति की समीक्षा त्र्फ्र (त्र्रीं फ़ीड्ढ्व्ल३ड्ढल्ल र८२३ी) के माध्यम से की गई एवं पारदर्शी एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पोषण ट्रैकर में दर्ज आंकड़ों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई एवं सभी पर्यवेक्षिकाओं को नियमित रूप से डेटा अपडेट करने का निर्देश दिया गया। आगे उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ करें, ताकि आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ लक्षित लाभुकों तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

पवन व आस्था हत्याकाड में सहयोग नहीं दिया गया : मंच

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने मेदिनीनगर में प्रेस बयान जारी कर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी श्री के०राजू जी से पूछा है कि छत्तरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह राज्य के वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर जी ने अगर हजारीबाग विष्णुगढ़ की दुष्कर्म पीड़िता को प्रदेश नेतृत्व के कहने पर मंत्री के विवेकाधीन कोटे से 1 लाख रुपए सहयोग दे सकते हैं,तो फिर पवन हत्याकांड (कोकरसा,पंडवा) व आस्था कुमारी हत्याकांड मंगराडीह,नौडीहा बाजार) के आश्रितों को विवेकाधीन कोटे से 1-1 लाख रुपए सहयोग देने में इनका कलेजा क्यों फटता है? जारी बयान में जेकेएम अध्यक्ष ने कहा है कि पाटन-छत्तरपुर विधानसभा क्षेत्र के रविदास समाज के बेटे-बेटी की प्रेम प्रसंग में नृसंशतम हत्या के बाद आजतक उस परिवार से मिलने व सहयोग देने का समय अनुसूचित जाति के नाम पर कलंक बन चुके मंत्री को नहीं मिला? पलामू वासियों व दलितों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले मंत्री किशोर को राजहारा निवासी धर्मेंद्र भुईयां के 11वर्षीय नाबालिग पुत्र श्री भुईयां को बाल मजदूरी कराते हुए भट्ठा मालिक अभय मिश्रा द्वारा दुर्घटनाग्रस्त करवाकर मरने पर मजबूत करने पर कोई अफसोस नहीं है,और ना ही उसके परिजनों को विवेकाधीन कोटे से देने के लिए रुपए हैं?अबुआ राज के नाम पर कलंक बन चुके इस मंत्री के पास पवन,आस्था व श्री भुईयां के हत्यारों को बचाने व मुकदमें से नाम हटवाने का दबाव

देने के लिए पूरा समय है? बयान में उन्होंने कहा है कि पलामू गढ़वा जैसे मगही, भोजपुरी जैसी भाषाओं को स्थानीय भाषा की सूची से कैबिनेट की बैठक में मौन रहकर हटवानेवाले शातीर मंत्री एससी एसटी के नौजवानों के साथ पूरा गढ़वा/पलामू का भविष्य चौपट करने पर उतारू हो गए हैं। आजतक झारखण्ड राज्य में अनुसूचित जाति आयोग,सूचना आयोग समेत तमाम खाली पड़े महत्वपूर्ण पदों को भरने में ऐसे नालायक मंत्री जो अंदर से भाजपाई है की नकारात्मक भूमिका से कांग्रेस पार्टी को नुक्सान ही होगा? हम कांग्रेस के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व से शीघ्र ही श्री राधाकृष्ण किशोर को मंत्री पद से हटवाकर दूसरे अनुसूचित जाति के विधायक को मंत्री बनवाने की मांग करते हैं।

पलामू में बंद अनमैन्ड रेलवे क्रॉसिंग से बढ़ी परेशानी

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अनमैन्ड रेलवे क्रॉसिंग को बंद किए जाने से आम लोगों की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस गंभीर मुद्दे को पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने 1 अप्रैल 2026 को लोकसभा के शून्यकाल के दौरान प्रमुखता से उठाया।
सांसद श्री राम ने बताया कि कई स्थानों पर रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के कारण एक ही गांव दो भागों में बंट गया है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को दैनिक जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य

और रोजगार से जुड़ी गतिविधियों में बाधाएं आ रही हैं।
उन्होंने विशेष रूप से गढ़वा रोड-गढ़वा खंड के सोनपुरवा, नगर उटारी-विढमगंज खंड के अहिरपुरवा, चियांकी-डालटनगंज खंड, केचकी-चियांकी के बखारी, मोहम्मदगंज-कोसियारा सेक्शन, लहर बंजारी, कजरात नवाडीह, बेगमपुर-मोहम्मदगंज सेक्शन, सतबहिनी और हैदरनगर सहित कई स्थानों का उल्लेख किया, जहां यह समस्या गंभीर रूप ले चुकी है।सांसद ने सुझाव दिया कि इन स्थानों पर एलएचएस और आरओबी का निर्माण कराया जाए, जिससे लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।
उन्होंने रेल मंत्री से आग्रह किया कि जनता की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इन प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके।

परसुडीह में तीन दुकानों पर चोरी का प्रयास

जमशेदपुर : परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित शिव मंदिर रोड पर बीती रात बेखौफ चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाकर पुलिस गश्त को चुनौती दे दी। चोरों ने संतोषी भंडार का ताला तोड़कर गल्ले में रखे करीब 20 से 22 हजार रुपये नकद और कुछ सामान चोरी कर लिया, जबकि अन्य दो दुकानों में चोरी नहीं कर पाए। जानकारी के अनुसार, चोरों ने सबसे पहले अपना मार्ट और लक्ष्मी जनार्दन ज्वेलर्स में घुसने की कोशिश की। ज्वेलर्स के मालिक विश्वजीत सामल ने बताया कि चोरों ने 8 से 10 ताले काट दिए और शटर भी उठाया, लेकिन अंदर की सुरक्षा व्यवस्था के कारण गहनों तक नहीं पहुंच सके। सुबह मुख्य गेट बाहर से बंद मिलने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई।वहीं अपना मार्ट के स्टोर मैनेजर मनीष कुमार ने बताया कि तीन युवकों द्वारा चोरी का प्रयास किया गया, जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान में जुटी है।

पीएम आवास पर भाई का कब्जा, पीड़ित परिवार झोपड़ी में रहने को मजबूर

पलामू उपायुक्त, एसडीओ व बीडीओ को दिया आवेदन, लेकिन नहीं हुआ पीएम आवास खाली

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत लोटनिया पंचायत के पिपरडीह गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े एक विवाद का मामला सामने आया है। यहां श्याम नारायण पाल नामक लाभुक ने अपने ही भाई पर पीएम आवास पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़ित श्याम नारायण पाल ने बताया कि वर्ष 2019-20 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था। उन्होंने सरकारी अनुदान राशि से आवास का निर्माण कराया, लेकिन उनके छोटे भाई सत्येन्द्र पाल और सचिन पाल ने मारपीट कर उन्हें घर से बाहर कर दिया। इसके बाद से वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ झोपड़ी में रहने को मजबूर हैं। इस मामले में हुसैनाबाद एसडीओ के पत्रांक 1127 तथा बीडीओ के पत्रांक 825 के आलोक में हुई जांच में यह स्पष्ट किया गया है कि संबंधित पीएम आवास श्याम नारायण पाल के नाम से आवंटित है। जांच प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आवास का निर्माण लाभुक द्वारा ही सरकारी राशि से कराया गया है। बीडीओ और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की संयुक्त जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि श्याम नारायण

पाल के आवास पर उनके भाई सत्येन्द्र पाल का कब्जा अनैतिक और गैर-कानूनी है।रिपोर्ट में आवास का कब्जा दिलाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल, जिसमें महिला बल भी शामिल हो, की प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता बताई गई है। हालांकि, जांच रिपोर्ट के बावजूद अब तक इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं होने से पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। पीड़ित ने पलामू उपायुक्त सहित उच्च अधिकारियों से गुहार लगाते हुए दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति कर आवास पर कब्जा दिलाने की मांग की है।इस संबंध में हुसैनाबाद प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि जांच के बाद लाभुक को मालिकाना हक दिलाने के लिए दूसरे पक्ष को नोटिस जारी कर घर खाली करने का निर्देश दिया गया।